RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ● 12 अप्रैल , 2025 वर्षः-12 अंक -343 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

उन्नत और समृद्ध रही है प्राचीन भारतीय वास्तुकला: मुख्यमंत्री

राजा भोज द्वारा निर्मित बड़ा तालाब तकनीकी उत्कृष्टता का है श्रेष्ठ उदाहरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीनकाल से ही आर्किटेक्ट्स का विशेष महत्व रहा है। राजा भोज स्वयं बड़े वास्तुकार थे। भोपाल ताल सहित प्राचीन स्थापत्य के कई उदाहरण भोपाल और इसके आसपास विद्यमान है। भोपाल का ताल मूलतः बांध है। एक हजार साल पहले बनी है यह अद्भुत और बेमिसाल संरचना आज भी सामयिक और बड़ी आबादी के लिए उपयोगी है। मितव्ययता और तकनीकी उत्कृष्टता के साथ निर्मित यह संरचना, प्राचीन समृद्ध ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिस पर आज भी विचार प्रासंगिक है।

इस दृष्टि से भोपाल में हो रहा आर्किटेक्ट्स सम्मेलन विशेष महत्व का है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार

में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसम के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वास्तुशिल्प नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए वास्तुकला उत्कृष्टता में विरासत को समाहित करने के लिए डॉ. निधिपति सिंघानिया को भारतीय वास्तुकार संस्थान (आईआईए) फैलोशिप से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आर्किटेक्ट्स को विश्वकर्मा बंधु संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर वास्तुकला और पूजा पद्धतियों में कई रहस्य विद्यमान हैं। भस्म आरती जन्म से लेकर मृत्यु तक की जीवन यात्रा को संक्षिप्त रूप में दिखाने का प्रकल्प है।

युद्ध, संघर्ष, मानवीय मूल्यों से जुड़ी चिंताएं हमारे सामने

पीएम बोले-इन चुनौतियों का समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा

भोपाल। अशोकनगर के ईसागढ़ स्थित श्री आनंदपुर धाम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आनंदपुर धाम में आकर मन अभिभूत है। हृदय आनंद से भर गया। जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया हो, जहां परमार्थ परंपरा बन गया हो। वो धरती साधारण नहीं है। हमारे संतों ने अशोकनगर के बारे में कहा था कि यहां शोक आने से डरता है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए युद्ध, संघर्ष

और मानवीय मूल्यों से जुड़ी कई चिंताएं हमारे सामने हैं। इनकी जड़ में क्या है। इनकी जड़ में अपने और पराए की मानसिकता है। ये मानसिकता मानव से मानव को दूर करती है। आज विश्व भी सोच रहा है इनका समाधान कहां मिलेगा। इनका समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा। अद्वैत यानी यहां कोई द्वैत नहीं है। इससे पहले पीएम मोदी ने परमहंस अद्वैत मत के मंदिरों में दर्शन किए। प्रमुख गुरू से भेंट की। वे सत्संग कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। पीएम मोदी के साथ सीएम डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद हैं। गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प, सबका साथ सबका विकास का मंत्र, सेवा की भावना सरकार की नीति है। निष्ठा भी है। सेवा की भावना हमारे व्यक्तित्व को भी निखारती है। सेवा हमें व्यक्तिगत दायरे से निकालकर मानवता के बड़े उद्देश्य से जोड़ती है।

सेवा की भावना हमारी सरकार के हर प्रयास के केंद्र में

सेवा की भावना हमारी सरकार के हर प्रयास के केंद्र में है। आज हर जरूरतमंद प्रधानमंत्री अन्न योजना के चलते खाने की चिंता से मुक्त हैं। हर गरीब-बुजुर्ग आयुष्मान योजना के कारण इलाज की चिंता से मुक्त है। पीएम आवास योजना के कारण पक्के घर की चिंता से मुक्त हो रहा है। जल जीवन मिशन के कारण गांव-गांव में जल समस्या खत्म हो रही है। पीएम मोदी ने कहा- इसी परंपरा में पूज्य अद्वैतानंद जी महाराज ने भारत के जन सामान्य तक इसे पहुंचाने का बीड़ा उठाया। महाराज जी ने अद्वैत के ज्ञान को हम सभी के लिए और सरल बनाया, उसे सामान्य मानवी के लिए और सुलभ कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारा भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती है। जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है, कोई न कोई ऋषि, मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है। हम पूज्य स्वामी अद्वैतानंद महाराज जी के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं। एक समय था, जब आदि शंकराचार्य जैसे आचार्यों ने अद्वैत दर्शन के गहरे ज्ञान की व्यख्या की थी। दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए युद्ध, संघर्ष और मानवीय मूल्यों से जुड़ी कई चिंताएं हमारे सामने हैं। इनकी जड़ में क्या है। इनकी जड़ में अपने और पराए की मानसिकता है। ये मानसिकता मानव से मानव को दूर करती है।

पीएम ने एयरपोर्ट पर ही मांगी गैंगरेप केस की जानकारी

- कमिश्नर से कहा-दोषी बचने न पाएं,23 लड़कों ने 7 दिन तक किया था गैंगरेप

वाराणसी (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह 10 बजकर 7 मिनट पर अपने 50वें दौरे पर वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर उतरते ही पीएम ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से छात्रा से गैंगरेप केस को लेकर सवाल-जवाब किए। उन्होंने कमिश्नर से वारदात की पूरी जानकारी ली।

कहा- सभी दोषियों पर सख्त एक्शन हो। साथ ही, ऐसी घटना दोबारा न होने पाए। यह घटना 15 दिन पहले की है कमिश्नर ने पीएम मोदी को केस की पूरी स्टेटस रिपोर्ट बताई। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुख्य आरोपी समेत 9 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी का कैफे सील कर दिया गया है। दरअसल, वाराणसी में ग्रेजुएशन की छात्रा से 29 मार्च को 23 लड़कों ने 7 दिन तक गैंगरेप किया था, फिर उसे सड़क पर फेंक कर भाग गए थे। छात्रा बदहवास हालत में घर पहुंची और दो दिन तक बेहोश रही थी।

टॉप-सीक्रेट मिशन के तहत भारत लाया गया तहव्वुर राणा

सुरक्षाबलों के मोबाइल जमा हुए,फ्लाइट की रियल टाइम मॉनीटरिंग,हाथ भी अधिकारियों ने पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड 64 साल के तहव्वुर राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया। राणा का प्रत्यर्पण टॉप-सीक्रेट मिशन 'ऑपरेशन राणा' के तहत हुआ। ऑपरेशन के दौरान जब राणा को अमेरिका से फ्लाइट में भारत लाया जा रहा था, जब एनआईए का एक अधिकारी पूरे रास्ते उसका हाथ पकड़कर बैठा रहा। ऐसा इसलिए ताकि तहव्वुर राणा खुद को कोई नुकसान न पहुंचा सके। राणा अभी 18 दिन की एनआईए कस्टडी में है, जहां उससे पूछताछ की जाएगी। भारत लाए जाने के बाद उसे दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया था। जहां एनआईए ने उसकी कस्टडी मांगी थी। राणा ने मुंबई 26/11 अटैक के मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के

10 आतंकियों ने हमले किए। ये हमले चार दिनों तक चले। इन हमलों में कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए। प्रत्यर्पण में एनआईए के सामने एक और बड़ी चुनौती थी।

देर रात 2 बजे कोर्ट ने दिया कस्टडी का फैसला

तहव्वुर राणा की दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 दिन की एनआईए की कस्टडी में भेज दिया। एजेंसी ने आतंकी हमलों को अंजाम देने में राणा की भूमिका की जांच करने के लिए कोर्ट से 20 दिन की रिमांड मांगी थी। स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और 10 अप्रैल की देर रात 2 बजे फैसला सुनाया। एनआईए ने पटियाला हाउस कोर्ट में जब तहव्वुर राणा की कस्टडी मांगी तो कहा कि उससे पूछताछ जरूरी है। एनआईए ने कहा कि मुंबई हमले की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। आतंकी हमलों को अंजाम देने में राणा की भूमिका की भी जांच करेंगे। मुंबई हमले के दूसरे आरोपी डेविड कोलमैन हेडली ने तहव्वुर राणा के साथ पूरे ऑपरेशन पर चर्चा की थी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मारा गया एक आतंकी

जंगली इलाके में सेना ने 2-3 आतंकियों को घेरा,एनकाउंटर जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में चल रहे एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक आतंकी मार गिराया है। 2-3 आतंकियों को अभी सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। एनकाउंटर जारी है। अभी तक किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर नहीं है। सुरक्षा बलों ने 9 अप्रैल को चत्रू जंगल के इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी थी, जिसके बाद आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हुई थी। यहां बड़ी तादाद में सुरक्षा बल तैनात हैं। आसपास के गांवों में भी अलर्ट है। स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना

देने की अपील की गई है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एलओसी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी। 1 अप्रैल को सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी।

अमेरिकी सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 125 फीसदी किया

- चीन का पलटवार,शी जिनपिंग ने कहा-उनका देश किसी से नहीं डरता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर लगातार गहराता जा रहा है। चीन ने अमरीका से आने वाले सामान पर टैरिफ 84 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। यह 12 अप्रैल से लागू

होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर बाकी सभी देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की छूट दी थी। लेकिन चीन पर इसे बढ़ाकर 145 फीसदी कर दिया। इसके जवाब में अब चीन ने भी अमेरिका सामान पर टैरिफ बढ़ा दिया है लेकिन साथ ही कहा है कि वह इसे 125 फीसदी से ज्यादा नहीं करेगा। अमेरिका और चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर का ट्रेड होता है जिसमें अमेरिका घाटे में है। दोनों देशों के बीच चल रहे ट्रेड वॉर से दुनिया में मंदी आने और महंगाई बढ़ने की आशंका है। चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री के प्रवक्ता ने अमेरिकी सामान पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही है। प्रवक्ता ने कहा,अमरीका की तरफ चीन पर लगातार बहुत ज्यादा टैक्स लगाना सिर्फ एक नंबर का खेल बन गया है।

वक्फ कानून के खिलाफ कोलकाता में सड़कों पर उतरे स्टूडेंट्स

श्रीनगर में बीजेपी का प्रदर्शन,मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का वक्फ बचाव अभियान शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रदर्शन किया जा रहा है, ये प्रदर्शन आलिया यूनिवर्सिटी के छात्र कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों ने भी छात्रों का समर्थन किया है। बड़ी संख्या में लोग इस प्रदर्शन में जमा हुए हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार सुबह विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने पार्टी ऑफिस के बाहर ही बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। यह विरोध प्रदर्शन टीएमसी के महासचिव खुर्शीद आलम के नेतृत्व में किया गया।

टीएमसी कार्यकर्ता नए वक्फ कानून के विरोध में शहर के केंद्र की ओर मार्च करना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। दरअसल, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का शुक्रवार से देशभर में वक्फ बचाव अभियान शुरू हो गया है। इसका पहला फेज 07 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे। जो पीएम मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी। बोर्ड के महासचिव मौलाना फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने वीडियो मैसेज जारी किया है। वीडियो में मुजद्दिदी ने सरकार पर सांप्रदायिक एजेंडा चलाने और धर्मनिरपेक्षता को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने वीडियो में कहा- यह अभियान वक्फ संपत्तियों की रक्षा और विधेयक को निरस्त करने की मांग को लेकर चलाया जा रहा है। बोर्ड का मानना है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों की प्रकृति और स्वायत्तता को नुकसान पहुंचाएगा, जिसे वे इस्लामी मूल्यों, शरीयत, धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय संविधान के खिलाफ मानते हैं।

9 घंटे बाद बुझाई जा सकी पाइप फैक्ट्री की आग

पीथमपुर में एक हजार लीटर फोम,25 डंपर रेत और 12 दमकलें लगीं

भोपाल। धार में पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया की कंपनी में लगी आग पर करीब 9 घंटे में काबू पाया जा सका। आग बुझाने में एक हजार लीटर फोम, 25 डंपर रेत और फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों का पानी लगा।

आसपास की फैक्ट्रियों को लपटों से बचाने के लिए जेसीबी इस्तेमाल कर मिट्टी-रेत की दीवार बनाई गई थी। एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर ने बताया कि सिग्नेट पाइप कंपनी में आग गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे लगी। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। कंपनी प्लास्टिक के पाइप बनाती

है। कच्चे माल की वजह से लपटें तेजी से बढ़ीं। इसमें कंपनी में खड़ी दो क्रेन भी जल गईं। नुकसान का आंकलन फिलहाल नहीं किया जा सका है।

'वक्फ' का राजनीतिक फायदा उठाने में जुटी बीजेपी

- बिहार और बंगाल चुनाव से भी आगे है पार्टी की नजर ● 20 अप्रैल से 'जनजागरण अभियान' चलाएगी बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक के कानून बनने के बाद से विपक्ष ने बीजेपी और मोदी सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। सारी तैयारी इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव और अगले साल के पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में चुनाव को लेकर है। जहां कांग्रेस और विपक्ष में उसके अन्य साथियों को लग रहा है कि यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर न सिर्फ मुस्लिम वोट गोलबंद होगा, बल्कि ईसाई जैसे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय पर भी डोरे डाले जा सकते हैं। लेकिन, भाजपा ने इस चुनौती को भी अवसर में

बदलने की तैयारी शुरू कर दी है। बीजेपी 20 अप्रैल से 15 दिनों के लिए 'वक्फ सुधार जनजागरण अभियान' शुरू करने जा रही है। नाम से तो लग रहा है कि पार्टी इसके माध्यम से नए वक्फ कानून से जुड़ी गलतफहमियां दूर करने वाली है, लेकिन इसके माध्यम से वह विपक्ष की ओर से इस मुद्दे पर चलाए जा रहे नैरेटिव को न सिर्फ काटने की तैयारी में है, बल्कि इसके माध्यम से अपना चुनावी समीकरण भी मजबूत करना चाहती है। गुरुवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में पार्टी मुख्यालय में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान को लेकर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और पार्टी महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चाओं के प्रमुखों और संयोजकों से बात की और उन्हें नए कानून के फायदे और इसे लाने की आवश्यकता की जानकारी दी।

पसमांदा और मुस्लिम महिला, ईसाई समुदाय पर फोकस

वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की औपचारिक शुरुआत से पहले पार्टी इसी तरह के वर्कशॉप जिला और प्रदेश स्तर पर भी आयोजित करने जा रही है। दरअसल, इसके माध्यम से बीजेपी न सिर्फ मुस्लिम महिलाओं तक नए वक्फ कानून की हकीकत पहुंचाना चाहती है, बल्कि पसमांदा मुसलमानों से लेकर ईसाई समुदाय तक इससे जुड़ी सही जानकारियां ले जाना चाहती है। दरअसल, वक्फ कानून के खिलाफ देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे हैं और कहीं न कहीं विपक्ष भी इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहता है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शनिवार 12 अप्रैल , 2025

पैंट फटी, खून से लथपथ मिली मासूम, एक साल की बच्ची से हैवानियत की हदें पार, दुष्कर्म के बाद दरिंदा फरार

धार। जिले में दरिंदगी की इंतहा पार हो गई। एक साल की मासूम से दुष्कर्म की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि मासूम के माता पिता पानी लेने गए थे। जब वापस आकर देखो तो बच्ची रो रही थी, कपड़े फटे थे और गुप्तांग से खून निकल रहा था। बच्ची को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। वहीं दरिंदा वारदात को अंजाम देने के बाद से फरार है। यह परी घटना सरदारपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, उज्जैन जिले की महिला अपने पति के साथ ग्राम रिंगनोद में परिचित के यहां शादी में आई थी। महिला एक वर्ष की बच्ची को नीचे चटाई पर सुलाकर अपने पति के साथ बर्तन और कपड़े धोने के लिए पानी लेने गई थी। कुछ देर बाद बच्ची की तेज रोने की आवाज आई। जब माता पिता कमरे में पहुंचे तो उनके होश उड़ गए।बच्ची को गोद में उठाकर देखा तो उसकी पैंट फटी हुई थी। मां ने मासूम के कपड़े निकालकर देखे तो उसके गुप्तांग से खून निकल रहा था। इसके बाद पति-पत्नी बच्ची को राजगढ़ के निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने परिजनों को बताया कि उनकी एक वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ है। यह सुनकर परिजन रो पड़े।हवस की आग में इंसान हैवानियत की सारी हदें पार कर रहा है। दरिंदे छोटी मासूम बच्चियों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। आए दिन मासूमों के साथ रोंगटे खड़े करने वाली वारदात सामने आ रही है। धार में रेप की घटना के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे है। इस मामले ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। लोगों में प्रशासन के खिलाफ काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है।फिलहाल इस पूरे मामले में सरदारपुर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। एएसपी गीतेश गर्ग ने बताया कि सरदारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रिंगनोद में एक साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। केस दर्ज कर बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मासूम का इंदौर में इलाज जारी है। बच्ची की हालत स्थिर है। पुलिस की टीमें अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

शहडोल में रिहायशी इलाकों तक पहुंचा हाथियों का झुंड, कई एकड़ फसल तबाह, दहशत में ग्रामीण

शहडोल। जिले में इन दिनों बाघ की दहशत के बीच जंगली हाथियों का खतरा भी मंडरा रहा है। ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के सतखुरी गांव में बीते कुछ दिनों से हाथियों के झुंड का लगातार मूवमेंट देखा जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय और तनाव का माहौल बन गया है। हाथियों के झुंड ने गांव के आसपास के खेतों में घुसकर कई एकड़ में खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों ने बच्चों को घर से बाहर भेजना बंद कर दिया है और खुद भी सतर्कता बरत रहे हैं। यह हाथियों का झुंड बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से भटक कर सतखुरी गांव तक पहुंचा है। फिलहाल हाथी आसपास के जंगलों में ही डेरा डाले हुए हैं, लेकिन उनका रिहायशी इलाकों की ओर रुख करना लगातार जारी है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग की टीम मौके पर तैनात है और लगातार झुंड की निगरानी की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को सतर्क रहने और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

टीन-शेड के नीचे मौत का अस्पताल: जबलपुर में डॉक्टर ने खोला जीवन ज्योति हॉस्पिटल, न डॉक्टर, न इलाज, फिर भी धड़ल्ले से जारी है संचालन

जबलपुर। फर्जी डॉक्टर द्वारा की गई सर्जरी से हाल ही में सात मरीजों की मौत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसी कड़ी में जबलपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला डॉक्टर ने टीन और सीमेंट की शेड के नीचे एक अस्पताल खोल रखा है, जो %जीवन ज्योति अस्पताल% के नाम से संचालित हो रहा है। लेकिन यह अस्पताल असल में लोगों की जान से खिलवाड़ करने का अड्डा बन चुका है। हॉस्पिटल के बाहर बोर्ड लगे हैं, इलाज का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि अस्पताल में न डॉक्टर हैं, न ही कोई मरीज। आईसीयू वार्ड के नाम पर सिर्फ एक कमरा है और ऑपरेशन थियेटर के बोर्ड के पीछे सिर्फ खाली दीवार है। जांच में सामने आया कि यहां किसी भी प्रकार की चिकित्सा सुविधा मौजूद नहीं है। यह कथित अस्पताल अंजू जैसवाल नाम की महिला चला रही हैं, जो खुद को डॉक्टर बताती हैं। मरीजों को लाने के लिए एंबुलेंस जरूर है, लेकिन इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। इस अस्पताल में हर बीमारी का इलाज करने का दावा किया जा रहा है, मगर ज़मीन पर सच्चाई बिल्कुल उलटी है। घटना के बाद भी जब प्रशासन नहीं जागा, तो यह सवाल उठता है कि क्या अब किसी और बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है? प्रदेश में फर्जी अस्पतालों की भरमार ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अब देखना होगा कि इस तरह की लापरवाही पर सरकार कब कार्रवाई करती है और जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देती है।

फर्जी डॉक्टर कांड, कई अस्पतालों में कर चुका है काम; युवक कांग्रेस ने जांच की उठाई मांग

जबलपुर। चर्चित फर्जी डॉक्टर कांड की गूंज अब जबलपुर तक पहुंच गई है। दमोह के मिशन अस्पताल में फर्जी तरीके से डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज करने और उनकी जान से खिलवाड़ करने वाला एन जॉन कैम अब जबलपुर शहर के अस्पतालों में काम करने के आरोपों में भी घिरता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि एन जॉन कैम जबलपुर के कई निजी अस्पतालों में पहले कार्यरत रह चुका है। इस दौरान उसने यहां भी कई मरीजों का इलाज और सर्जरी की, जिसे लेकर युवक कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष चमन राय ने दावा किया है कि जॉन कैम ने जबलपुर में भी मरीजों की जान को जोखिम में डाला है, इसलिए इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। इस संबंध में युवक कांग्रेस ने संभागीय स्वास्थ्य संचालक और जिला सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जिन अस्पतालों ने एन जॉन कैम को बिना प्रमाणपत्र सत्यापन के नियुक्त किया, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। स्वास्थ्य विभाग ने युवक कांग्रेस को भरोसा दिलाया है कि सरकार के निर्देश पर एन जॉन कैम से जुड़े सभी तथ्यों को खंगाला जाएगा और जिन अस्पतालों में उसने काम किया है, उनकी भूमिका की भी गंभीरता से जांच होगी।

पूर्व डीजीपी भी सुरक्षित नहीं फिर भी सब चंगा सी..? : भूपेंद्र गुप्ता

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व डीजीपी जोशी को धमकाने और मारने का प्रयास करने की घटना मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था की बदहाली का निर्लज्ज सबूत है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि इस प्रदेश में सैन्य परिवारों से संबंधित महिलायें तक गैंगरेप का शिकार हुई हैं। राजधानी में एक वरिष्ठ आइएएस की पत्नी से छेड़छाड़ हुई है। गुप्ता ने कहा कि हरदा में पटाखा फैक्ट्री के धमाके और अकाल मौतों के सौदागरों की फेक्ट्रिंया कहां गई? गुजरात में जिस पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ उसमें भी मध्यप्रदेश के ही मजदूरों की मौत हुई है? यह जांच होनी चाहिये कि कहीं हरदा के मजदूर ही तो गुजरात शिफ्ट नहीं किये गये? प्रदेश की धरती बलात्कार और महिला उत्पीड़न से तरबतर है। धार्मिक परिसर तक पाप कर्म से अछूते नहीं हैं। दो इंजन मांगे थे जनता ने तीन दे दिये लेकिन पुलिस पिट रही है। मासूमों की मौत और एनकाउंटर में बर्दी बदनाम हो रही है। सरकार ÷सब चंगा सी÷उत्सव मना रही है।

लाडली बहना योजना की किस्त में देरी पर कांग्रेस का हमला, जीतू पटवारी ने सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

भोपाल। लाडली बहना योजना की किस्त समय पर न मिलने को लेकर सियासत गर्मा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या राज्य पर कर्ज कम हो गया है या फिर सरकार की नीयत ही बदल गई है? जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि पहले ÷लाड़ली बहनों 10 तारीख आ रही है!÷ जैसे बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगते थे, लेकिन इस बार न कोई प्रचार दिखा और न ही 10 तारीख को महिलाओं के खातों में पैसे पहुंचे। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा, ÷क्या अब सरकार ने अपना वादा भूल गई है?÷ कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि विधानसभा में खुद सरकार यह स्पष्ट कर चुकी है कि ?1250 की मासिक राशि को बढ़ाकर ?3000 प्रतिमाह नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री को टैग करते हुए यह भी बताया कि अब तक 15,748 महिलाओं के नाम उनकी मृत्यु के बाद योजना से हटाए जा चुके हैं, जबकि 60 साल की उम्र पूरी कर चुकीं 3,19,991 महिलाएं पहले ही पोर्टल से हटा दी गई हैं। पटवारी ने सरकार से मांग

की कि योजना की पात्रता उम्र सीमा को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया जाए और अधिकतम उम्र सीमा को 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष किया जाए। साथ ही उन्होंने नए नाम जोड़ने और सभी बहनों को ?3000 प्रतिमाह भुगतान करने की बात पर अडिग रहने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ वोट के लिए वादे करती है और अब लाडली बहनों से किया वादा भी तोड़ रही है। कांग्रेस ने इसे महिलाओं के साथ धोखा करार दिया है और सरकार से तुरंत राहत देने की मांग की है।

दिग्विजय सिंह के 'गद्दार' वाले पोस्टर पर सियासत गरमाई बीजेपी ने कहा- मुस्लिम समाज के मौलाना बनने की कोशिश, कांग्रेस ने की देशद्रोह का केस दर्ज करने की मांग

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को लेकर लगाए गए 'गद्दार' वाले पोस्टरों ने राज्य की सियासत को गरमा दिया है। रतलाम में लगाए गए इन पोस्टरों को लेकर जहां भाजपा ने दिग्विजय पर गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं कांग्रेस ने इसे देशद्रोह मानते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पोस्टरों में दिग्विजय सिंह को ÷वतन, धर्म और पूर्वजों का गद्दार÷ बताया गया है।

बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा का बड़ा बयान

बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने दावा किया कि ये पोस्टर किसी और ने नहीं, बल्कि खुद दिग्विजय सिंह ने ही लगवाए हैं। उन्होंने कहा, ÷वक्फ संशोधन बिल को लेकर न तो राहुल गांधी, न प्रियंका गांधी और न ही किसी अन्य बड़े नेता ने कोई बयान दिया, तो ऐसे में मुस्लिम वोट को साधने के लिए दिग्विजय खुद को मुस्लिम समाज का नेता साबित करने के प्रयास में ऐसे पोस्टर लगवा रहे हैं। यह सब एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है।÷

कांग्रेस का पलटवार, देशद्रोह का केस दर्ज करने की मांग

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ÷एक सांसद को संविधान के तहत अपनी बात कहने का अधिकार है। अगर वह इस अधिकार का प्रयोग करता है, तो उसे गद्दार कहना न केवल अपमानजनक है, बल्कि देशद्रोह के दायरे में आता है।÷ पटवारी ने सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि जिन जिलों में ऐसे पोस्टर लगे हैं, वहां संबंधित थानों में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई करवाई जाए।

रतलाम में युवा मोर्चा ने लगाए पोस्टर

रतलाम में भारतीय जनता युवा मोर्चा (क्ष्छ्ङ्रू) की ओर से चौक-चौराहों पर लगाए गए पोस्टरों में दिग्विजय सिंह को ÷गद्दार÷ करार दिया गया। हालांकि बाद में पुलिस ने इन पोस्टरों को हटा दिया। पोस्टरों में लिखा था–

÷वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार हैं।÷

वक्फ संशोधन बिल पर घमासान

दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल का देशभर में विरोध हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने भी इसका विरोध करते हुए कहा था कि ÷यह बिल अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों को छीनने का प्रयास है।÷ उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि ÷यह सरकार पिछले 11 सालों से सिर्फ हिंदू-मुसलमान कर रही है, कोई ठोस काम नहीं किया जा रहा।÷

दिग्विजय का बयान, सरकार पर निशाना

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने ग्वालियर में कहा था–

÷वक्फ संशोधन बिल संविधान के उस मूल ढांचे पर हमला है, जिसमें अल्पसंख्यकों को संरक्षण का अधिकार है। यह बिल एक कुटिल प्रयास है, जिससे उनके अधिकार छीने जा रहे हैं।÷

टीकमगढ़ जिला अस्पताल की लापरवाही का वीडियो वायरल: पिता को लगाई ड्रिप, मासूम बेटे को थमा दी बोतल

टीकमगढ़। मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्थिति एक बार फिर उजागर हुई है। टीकमगढ़ के जिला अस्पताल से एक शर्मसार करने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक मरीज को ड्रिप चढ़ाई गई है, लेकिन उसे पकड़ने के लिए कोई स्टैंड न होने के कारण मासूम बेटे के हाथ में ही ड्रिप की बोतल थमा दी गई। बच्चा बेबस होकर अपने पिता के बिस्तर के पास खड़ा रहा और बोतल खाली होने का इंतजार करता रहा।

बच्चे के हाथ में थमी जिम्मेदारी, अस्पताल बेपरवाह

वीडियो सामने आने के बाद सवाल खड़े हो रहे हैं कि जब अस्पताल में स्टैंड जैसी बुनियादी सुविधा नहीं है, तो वहां इलाज कैसे हो रहा है। मरीज का बेटा कुछ समझ नहीं पा रहा था, फिर भी पिता के इलाज के लिए मासूम अपने हाथ में बोतल थामे खड़ा रहा। यह दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

बंगलों में सक्रिय डॉक्टर, अस्पताल भगवान भरोसे

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल में कई डॉक्टर अपने ड्यूटी आवर्स में भी अस्पताल से गायब रहते हैं और अपने निजी बंगलों पर मरीज देखने में व्यस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि कुछ डॉक्टरों की निजी ओपीडी में रोजाना 200 से 300 मरीज देखे जाते हैं, जबकि सरकारी अस्पताल भगवान भरोसे चलता है।

सिविल सर्जन का बयान: जांच के आदेश

मामला वायरल होते ही जिला अस्पताल के सिविल सर्जन ने कहा कि वीडियो की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जो भी कर्मचारी या डॉक्टर दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अस्पताल के अन्य जिम्मेदार अधिकारी इस विषय में टालमटोल करते नजर आए और कैमरे के सामने आने से बचते रहे।

पहले भी सामने आ चुकी हैं गंभीर लापरवाहियां

यह कोई पहली घटना नहीं है जब टीकमगढ़ जिला अस्पताल की लापरवाही सामने आई हो। इससे पहले भी मरीजों को व्हीलचेयर और स्ट्रेचर तक न मिलने की शिकायतें हो चुकी हैं। मरीजों को जमीन पर लिटाकर इलाज करना पड़ा है, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

मंत्री प्रहलाद पटेल का अधिकारी पर गुस्सा फूटा: सार्वजनिक कार्यक्रम में दी गाली, जनता से बिना मिले लौटे

शिवपुरी। सत्ता का नशा जब सिर चढ़कर बोलने लगे, तो इंसान अपने पद और प्रतिष्ठा को ही सर्वोपरि समझने लगता है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल भी इन दिनों कुछ इसी अंदाज में नजर आ रहे हैं। पहले जनता को भिखारी कहने का बयान और अब एक अधिकारी को सरेआम गाली देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंत्री का यह रवैया न सिर्फ प्रशासनिक मर्यादा पर सवाल उठाता है, बल्कि आमजन के प्रति उनके व्यवहार पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है।

शिवपुरी में कार्यक्रम के दौरान अधिकारी पर भड़के

मंत्री प्रह्लाद पटेल शुक्रवार को शिवपुरी जिले के बैराड़ जनपद के ग्राम देवपुरा में जलगंगा संवर्धन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही वे व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों पर बिफर पड़े और उन्हें जमकर फटकार लगाई। इस दौरान मंत्री इतने नाराज हो गए कि उन्होंने अधिकारी को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली तक दे डाली।

पौधारोपण को लेकर भी जताई नाराजगी

– मंत्री ने गर्मियों में पौधारोपण किए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷गर्मियों में कौन पौधा रोपता है? हम तो 20 जून के बाद पौधारोपण करेंगे।÷ इसी दौरान किसी अधिकारी की बात से वह और ज्यादा नाराज हो गए और कार्यक्रम स्थल पर ही अधिकारियों को जमकर सुनाते हुए टेंट में बैठी आम जनता और आदिवासियों से बिना मिले ही लौट गए। कांग्रेस ने इसे लेकर मंत्री पर हमला बोलते हुए कहा है कि मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति से ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं की जाती। वहीं आम लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है कि जो मंत्री जनता से मिलने आए थे, वे बिना संवाद किए वापस चले गए।

● पहले भी विवादों में रह चुके हैं प्रह्लाद पटेल

यह कोई पहला मौका नहीं है जब मंत्री प्रह्लाद पटेल अपने बयानों के कारण विवादों में घिरे हों। हाल ही में राजगढ़ जिले के सुठालिया में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि ÷लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत हो गई है।÷ इस बयान पर उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने जनता के नेताओं को माला पहनाकर मांगपत्र थमाने की आदत को भी गलत ठहराया था।

कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक भी थे मौजूद

शिवपुरी के इस सरकारी कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह भी मौजूद थे। हालांकि मंत्री के इस व्यवहार पर उन्होंने कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन स्थानीय राजनीतिक हलकों में मंत्री के व्यवहार की काफी आलोचना हो रही है।

बिश्नोई गैंग को पकड़ा

भोपाल (नप्र)। मप्र पुलिस को बिहार पुलिस ने प्रशंसा के साथ 50 हजार रुपए का इनाम दिया है। बिहार पुलिस ने मप्र पुलिस को यह इनाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग मामले में दिया है। मप्र के डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बिहार पुलिस की इस प्रशंसा और इनाम पर गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इंदौर पुलिस और पूरी टीम को धन्यवाद दिया है।

वक्फ की जमीन पर कांग्रेस नेताओं का कब्जा: एमपी वक्फ बोर्ड अध्यक्ष का गंभीर आरोप, जल्द जारी होंगे नोटिस

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर सनवर पटेल ने कांग्रेस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं उन्होंने कहा कि वक्फ की जमीनों पर कांग्रेस के कई नेताओं ने कब्जा कर लिया है और वे इन जमीनों से खुद के फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं उन्होंने बताया कि कांग्रेस के राष्टीय से लेकर जिला और मंडल स्तर तक के नेताओं के नाम इस मामले में सामने आए हैं। डॉ पटेल ने कहा कि वे करीब दो हजार लोगों की पहचान कर चुके हैं जो वक्फ की जमीनों पर अवैध कब्जा किए हुए हैं अब इन सभी लोगों को नए कानून के तहत एक हफ्ते के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा उन्होंने दो नेताओं के नाम लेते हुए कहा कि कांग्रेस नेता नियाज खान से सात करोड़ रुपये की रिकवरी निकाली गई है वहीं बड़वानी के कांग्रेस नेता इकबाल खान से एक करोड़ 42 लाख की राशि की रिकवरी निकाली गई है डॉ पटेल ने यह भी कहा कि जो समझदार मुसलमान हैं वे अब समझ गए हैं कि कांग्रेस सिर्फ भड़काने का काम कर रही है। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष के इस बयान पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने भी प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब सिर्फ ऐसे ही कामों में लगी है और डॉ पटेल ने जो कहा वह बिल्कुल सही बात है। हाल ही में वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था दो अप्रैल को यह लोकसभा और तीन अप्रैल को राज्यसभा में पास हुआ था इसके बाद पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दी और आठ अप्रैल से यह कानून पूरे देश में लागू हो गया, वहीं इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बीस से ज्यादा याचिकाएं दाखिल की गई हैं जिनमें कहा गया है कि यह कानून मुसलमानों के साथ भेदभाव करता है और वक्फ जैसी धार्मिक संस्था में सरकारी दखल देना गलत है इस मामले की पहली सुनवाई 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच करेगी जिसकी अध्यक्षता चीफ जस्टिस संजीव खन्ना करेंगे।

पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से रोका तो संचालक और भतीजे पर किया चाकू से हमला, एक की हालत गंभीर

बैतूल। इन दिनों अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाने से भी नहीं डर रहे। ताजा मामला बैतूल जिले का है, जहां महज सिगरेट पीने से मना करने पर दबंगों ने पेट्रोल पंप के संचालक और उसके भतीजे पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में भतीजे की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे नागपुर रेफर किया गया है। पूरा मामला गंज थाना क्षेत्र के कालापाठा स्थित तिवारी पेट्रोल पंप का है। देर शाम बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाश पेट्रोल पंप पर सिगरेट पी रहे थे। चूंकि पेट्रोल पंप पर आग लगने का खतरा हमेशा बना रहता है, इसलिए पंप संचालक निशांत तिवारी (55) ने उन्हें सिगरेट बुझाने को कहा। इस पर दबंगों को गुस्सा आ गया और उन्होंने निशांत और उनके भतीजे प्रवास तिवारी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में प्रवास तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे नागपुर रेफर कर दिया। वहीं निशांत तिवारी को भी चोटें आई हैं, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जब्त कर ली है, जिसमें पूरी घटना कैद है। उसी के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

क्या कहता है कानून

पेट्रोल पंप जैसे संवेदनशील स्थानों पर सिगरेट पीना कानूनी रूप से भी अपराध है और जानलेवा साबित हो सकता है। ऐसे में संचालक द्वारा टोका जाना स्वाभाविक था। लेकिन अपराधियों की मानसिकता इतनी विकृत हो गई है कि न्याय और कानून की बातें अब उन्हें गवारा नहीं।

अत्यधिक गर्मी एवं लू से बचने के लिए नागरिक अपनायें सावधानियाँ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य अमले को तैयारियों के लिए जारी किये निर्देश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राज्य में बढ़ती गर्मी और लू की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में सभी नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। सरकार और प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं। समस्त स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक तैयारियों के लिए निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने अपील की है कि सभी नागरिक सावधानियों का अवश्य पालन करें।

प्रबंध संचालक, एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन और अस्पताल अधीक्षकों को गर्मी के दृष्टिगत स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आवश्यक तैयारियों और जागरूकता के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गर्मी के मौसम में भारत सरकार द्वारा हीट रिलेटेड इलनेस से बचाव के लिए दिशा-निर्देश को जिला व स्वास्थ्य संस्थानों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के लिए कहा है। साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में इन पर चर्चा कर संबंधित विभाग प्रमुखों को भी अवगत कराने के निर्देश दिए गये हैं। उन्होंने जनसामान्य को जागरूक करने और सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में रोगियों को एचआरआई से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, आईएचआईपी पोर्टल पर प्रतिदिन एचआरआई मामलों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। इससे अधिक तापमान से होने वाली बीमारियों व अवांक्षित घटनाओं को रोका जा सकेगा।

शरीर को ढँककर रखें- धूप में निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढँकना बेहद जरूरी है। हल्के रंग के, सूती और ढीले कपड़े पहनें ताकि गर्मी से राहत मिल सके। सिर को टोपी, छतरी, गमछा या पारंपरिक उपायों से ढकना चाहिए। नंगे पांव धूप में जाना भी हानिकारक हो सकता है, इसलिए चप्पल या जूते पहनना अनिवार्य है।

घर को ठंडा और सुरक्षित बनाएँ- जहाँ तक हो सके, दोपहर के समय घर के अंदर या छांव में रहें। घर में ठंडी हवा का संचार बना रहे, इसके लिए दिन में खिड़कियां और पर्दे बंद रखें और रात में उन्हें खोल दें। बाहर जाना जरूरी हो, तो सुबह या शाम के ठंडे समय में ही जाएं। गर्मी के समय बाहरी गतिविधियों को सीमित करना आवश्यक है। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए पर्दे, शटर या सनशेड का उपयोग करें। दिन में निचली मंजिल पर रहना ज्यादा सुरक्षित होता है। शरीर को ठंडा रखने के लिए पंखा, ठंडा पानी, गीले कपड़े, या 20एष्ट के पानी में पैरों को डुबोना सहायक होता है।

विशेष ध्यान देने योग्य संवेदनशील वर्ग- छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, मानसिक या शारीरिक बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति और बाहर कार्य करने वाले लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। इन लोगों को अतिरिक्त सुरक्षा और देखरेख की आवश्यकता होती है। ठंडे प्रदेश से गर्म प्रदेश में आने वाले लोगों को अपने शरीर को नई जलवायु के अनुसार ढालने के लिए समय देना चाहिए।

मौसम की जानकारी रखें- रेडियो, टीवी, समाचार पत्रों या भारत मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट से मौसम की ताज़ा जानकारी लेते रहें। मौसम की पूर्व चेतावनियों को गंभीरता से लें और उसी अनुसार अपने कार्यक्रम बनाएं।

बचाव के लिए ये गलतियां न करें- दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बाहर न निकलें। इस समय गर्मी अपने चरम पर होती है। भारी कामकाज या शारीरिक मेहनत भी टालें। नंगे पांव बाहर न निकलें।

'स्वच्छता का सिरमौर' इंदौर अब प्रदूषण में भी नंबर-1, दमघोंटू हवा ने बढ़ाई चिंता

इंदौर। स्वच्छता के मामले में देशभर में लगातार नंबर-1 रहने वाला इंदौर अब वायु प्रदूषण के मामले में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो चिंता का गंभीर विषय बन गया है। शहर की हवा बीते कुछ दिनों से लगातार जहरीली होती जा रही है और इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है बीते दस दिनों से इंदौर का त्ध्ध् (एयर क्वालिटी इंडेक्स) लगातार 100 से ऊपर बना हुआ है। सबसे खतरनाक स्थिति 9 अप्रैल को देखने को मिली, जब त्ध्ध् स्तर 236 तक पहुंच गया। यह आंकड़ा ÷बहुत खराब÷ श्रेणी में आता है, जो विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए घातक है मौसम विशेषज्ञों और स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो स्वस्थ लोगों को भी आंखों में जलन, सिरदर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है हालात बिगड़ते जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों का कहना है कि इंदौर स्वच्छता में देश का सिरमौर रहा है, लेकिन अब प्रदूषण में अव्वल आना शर्मनाक स्थिति है। शहरवासियों की चिंता बढ़ती जा रही है और सभी चाहते हैं कि जल्द से जल्द ठोस उपाय किए जाएंविशेषज्ञों का कहना है कि पराली जलाने पर सख्ती से रोक लगे, सार्वजनिक और निजी वाहनों पर नियंत्रण रखा जाए और नियमित रूप से त्ध्ध् की निगरानी की जाए। इंदौर को दोबारा स्वस्थ और स्वच्छ शहर बनाए रखने के लिए प्रशासन और नागरिकों दोनों को गंभीरता से कदम उठाने होंगे।

'बुलेट रानी' का बर्थडे स्टाइल: पिस्टल से चलाई गोली, मोमबत्ती बुझाने का खतरनाक तरीका वायरल

इंदौर। सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाहत अब हदें पार करने लगी है। कभी कोई खतरनाक स्टंट करता है तो कोई कानून को ताक पर रखकर दादागिरी दिखाने लगता है। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला इंदौर से सामने आया है, जहां एक युवती ने अपने जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए ऐसा तरीका अपनाया जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। युवती एक सोफे पर बैठी नजर आ रही है। सामने टेबल पर रखा है बर्थडे केक, और उस पर जल रही मोमबत्तियां। लेकिन इस बार फूंक नहीं, पिस्टल से चलाई गई गोली ने मोमबत्ती बुझाई। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि युवती ने शर्ट पहन रखी है और हाथ में पिस्टल लेकर केक की तरफ निशाना साधा, फिर ट्रिगर दबाते ही गोली चलती है और मोमबत्ती बुझ जाती है। लड़की का नाम अपराजिता अनुष्का है, जो सोशल मीडिया पर 'बुलेट रानी' के नाम से मशहूर है। अपने इस खतरनाक और फिल्मी अंदाज में बर्थडे मनाने का वीडियो उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह जांचा जा रहा है कि युवती के पास जो हथियार था वह लाइसेंसी था या अवैध। अगर पिस्टल अवैध पाई गई, तो युवती के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर शौहरत के लिए इस तरह का खतरनाक प्रदर्शन न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि जन सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद चिंताजनक है।

एमपी सरकार ने आईपीएस अधिकारियों के तबादले किये

इंदौर। मध्य प्रदेश में तबादलों का दौर जारी है, शासन प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर आर्डर लगातार जारी कर रही है, इसी क्रम में गृह विभाग ने आईपीएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किये है। गृह विभाग ने आदेश जारी कर तीन पुलिस अधिकारियों को एक जगह से दूसरी जगह पदस्थ किया है शासन ने अधिकारियों की नई पद स्थापना के आदेश जारी किये हैं। गृह विभाग के आदेश में पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय इंदौर ग्रामीण में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक प्रकाश चन्द्र परिहार को मुख्यालय नगरीय पुलिस इंदौर में पुलिस उपायुक्त पदस्थ किया है, छिंदवाड़ा में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सेनानी 36 वीं वाहिनी भारतीय रिजर्व बटालियन एसएएफ बालाघाट, पुलिस मुख्यालय भोपाल विशेष शाखा में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा को पुलिस अधीक्षक पीटीसी इंदौर में पदस्थ किया है।

दबंग टीआई ममता कांबले नजर आएंगी फिल्म 'बिहू अटैक' में, निभाएंगी दमदार पुलिस अफसर का किरदार

इंदौर। दबंग टीआई ममता कांबले जल्द ही बॉलीवुड फिल्म बिहू अटैक में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह एक सशक्त पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के निर्माता और अभिनेता देव मेनारिया ने ममता कांबले को इस रोल के लिए प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने बिना झिझक स्वीकार कर लिया। यह फिल्म इंडियन आर्मी और पुलिस प्रशासन पर आधारित है और इसमें एक महत्वपूर्ण सोशल मैसेज भी है। उन्होंने कहा, ÷देव मेनारिया हमारे पुराने परिचित हैं। पहले भी उन्होंने अपनी वेब सीरीज़ के लिए मुझे ऑफर दिया था, लेकिन पारिवारिक और अन्य व्यस्तताओं के कारण मैं हिस्सा नहीं ले सकी। इस बार उन्होंने जब बिहू अटैक की कहानी सुनाई, तो मैं तुरंत राज़ी हो गई।÷ फिल्म बिहू अटैक में देव मेनारिया, अरबाज खान, राहुल देव और डेज़ी शाह जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी असम के बिहू फेस्टिवल के दौरान पाकिस्तान की आतंकी साजिश और उसे नाकाम करने में जुटी पुलिस व आईबी की टीम पर आधारित है।

क्रीड़ा भारती स्थापना दिवस पर एक लाख सूर्य नमस्कार महायज्ञ, हनुमान जन्मोत्सव पर होगी पूर्णाहुति

इंदौर। क्रीड़ा भारती के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इस वर्ष हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर एक अनूठा आयोजन किया जा रहा है। क्रीड़ा भारती द्वारा एक लाख सूर्यनमस्कार महायज्ञ का आयोजन किया गया है, जिसकी पूर्णाहुति 12 अप्रैल 2025 को सुबह 7 बजे मल्हाराश्रम मैदान, तिलकपथ, रामबाग पर की जाएगी। कार्यक्रम के संयोजक और पूर्व पार्षद हरीश डागुर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य जनमानस में स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। 6 अप्रैल से सूर्यनमस्कार का अभ्यास नियमित रूप से जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग ले रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस सामूहिक आयोजन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। क्रीड़ा भारती का यह आयोजन न केवल एक योगिक अभ्यास है, बल्कि यह सामूहिक ऊर्जा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को समर्पित एक महायज्ञ भी है।

आज मिलेगी प्रदेश की सबसे बड़ी और व्यवस्थित गौशाला, महू के आशापुरा में मुख्यमंत्री करेंगे भूमिपूजन

गोशाला में गायों की पूजा के लिए बनेगा अलग केंद्र, अस्पताल से लेकर पानी-भोजन की रहेगी पूरी व्यवस्था

इंदौर। इंदौर नगर निगम द्वारा महू तहसील के ग्राम आशापुरा में 42 करोड़ रुपए की लागत से गोशाला का निर्माण किया जाएगा। इस गोशाला में 10000 गाय रखी जा सकेंगी। गोशाला में गायों की देखरेख से लेकर सुख-सुविधा तक के लिए प्रावधान किया गया है। यहां गायों के लिए भोजन से लेकर पानी तक की पूरी व्यवस्था रहेगी। गोशाला में गायों की पूजा के लिए अलग से केंद्र बनाया जाएगा।

निगम को गौशाला के निर्माण के लिए जिला प्रशासन द्वारा ग्राम आशापुरा में 26 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है। इस जमीन का अग्रिम आधिपत्य भी नगर निगम को दे दिया गया है। निगम द्वारा इस जमीन पर गौशाला निर्माण के लिए योजना तैयार कर ली गई है। आज 12 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस गोशाला का भूमिपूजन किया जाएगा। निगम द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार इस गौशाला में 10000 गायों को रखा जा सकेगा। गायों को रखने के लिए आठ शेड बनाए जाएंगे। एक शेड में 1250 गाय रखी जा सकेंगी। हर शेड के साथ गाय के घूमने के लिए खुली जमीन भी रखी जा रही है। इस खुली जमीन और शेड को मिलाकर ही एक यूनिट मानी गई है। इस गोशाला के क्षेत्र में गौ माता को पर्याप्त और शुद्ध पानी मिल सके, इसके लिए एक लाख लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी भी बनाई जाएगी। गाय का दाना-पानी रखने के लिए स्टोर रूम और भूसाघर बनाया जाएगा।

बीमार गाय की बेहतर तरीके से देखरेख करने के लिए एक अलग शेड रखा गया है। इस शेड में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और दवाई की व्यवस्था रहेगी। इसके अतिरिक्त इस गोशाला में प्रशासनिक कार्यालय, वहां काम करने वाले लोगों के लिए निवास की व्यवस्था का भी प्रावधान रखा गया है। गोशाला का भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। गोशाला के क्षेत्र में एक तालाब भी है, जिसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पूरे गौशाला परिसर में सघन पौधारोपण किया जाएगा और आंतरिक पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। हमेशा त्योहार और विशेष

अवसर पर बड़ी संख्या में लोग गोशाला में गोमाता के पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे लोगों की सुविधा के लिए गोपूजन केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इस केंद्र को इस तरह से बनाया जाएगा कि एक साथ चार-पांच गाय वहां पर खड़ी हो सकें और नागरिक सुविधा के साथ इन गोमाता का पूजन कर सकें। इसके अतिरिक्त रसोई कक्ष और बैठक कक्ष का निर्माण भी किया जाएगा। इस गौशाला का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। नगर निगम द्वारा तैयार कराए गए प्रोजेक्ट के अनुसार इस पूरी गौशाला के विकास में 42 करोड रुपए खर्च होंगे।

अभी निगम के पास है एक गोशाला

इंदौर नगर निगम के पास अभी यशवंत सागर के समीप ग्राम खजूरिया में एक गौशाला है। इस गौशाला में इस समय गायों की संख्या 2000 हो गई है। यह गौशाला भी किसी समय पर अव्यवस्थाओं के लिए पहचानी जाती थी। पिछले 2 साल के दौरान निगम द्वारा इस गौशाला का संचालन व्यवस्थित तरीके से करने की व्यवस्था की गई है। अब इस गौशाला में गौ माता की सही तरीके से देखरेख हो पा रही है।

सबसे व्यवस्थित गौशाला होगी

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि ग्राम आशापुरा में नगर निगम द्वारा विकसित की जाने वाली गौशाला न केवल सबसे बड़ी गौशाला होगी, बल्कि सबसे ज्यादा व्यवस्थित और बेहतर गोशाला होगी। हमारा लक्ष्य इस गौशाला की स्थापना करना ही नहीं है, बल्कि इस गौशाला में गाय माता की सही तरीके से देखरेख करना भी है।

नई सड़कों में छोड़ी गई गैप बन रही हादसों की वजह, नगर निगम करेगा सुधार

इंदौर। शहर में नगर निगम द्वारा हाल ही में बनाई गई नई सड़कों में छोड़े गए तकनीकी गैप अब आम लोगों के लिए परेशानी और हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। इन सड़कों को आधुनिक तकनीक से बनाया जा रहा है, जिसमें बीच में 10-10 फीट के ब्लॉक में गैप छोड़े जाते हैं। इसका उद्देश्य यह होता है कि सड़कों को गर्मी और दबाव से बचाया जा सके, लेकिन यह प्रयोग अब लोगों की जान पर बन आया है। शहर के रेसकोर्स रोड, डीआरपी लाइन, मरीमाता से इमली बाजार, एमजी रोड और गोराकुंड जैसे कई मुख्य मार्गों पर इन गैप्स के कारण रोजाना दोपहिया वाहन चालकों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इन सड़कों पर कई बार ऐसे हादसे हो चुके हैं जिनमें लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। खासकर जिन इलाकों में ट्रैफिक दबाव ज्यादा है, वहां यह समस्या और अधिक भयावह बन गई है।

गैप की वजह से बिगड़ता है संतुलन, गिर रहे वाहन चालक– सड़क पर चलते वक्त जब वाहन का पहिया इन गैप में फंसता है तो संतुलन बिगड़ जाता है और वाहन चालक गिर पड़ता है। विशेष रूप से स्कूटर और मोटरसाइकिल चालकों के लिए यह खतरा और अधिक है। कई लोग इन खांचों की चपेट में आकर गंभीर चोटें भी खा चुके हैं, लेकिन फिर भी इन गैप्स को भरने के लिए कोई स्थायी समाधान अब तक सामने नहीं आया था।

जनता में नाराज़गी, अब नगर निगम करेगा सुधार– लगातार हो रही दुर्घटनाओं से जनता में रोष बढ़ता जा रहा है। इसी बीच जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि नगर निगम ने अब इस दिशा में कदम उठाने का निर्णय लिया है। राठौर के अनुसार सभी नई सड़कों पर छोड़ी गई गैप को बालू रेत और पतले डामर की परत से भरने का काम शुरू किया जाएगा। यह कार्य दो से चार दिनों में शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इन गैप्स के लिए कोई और सुरक्षित और वैकल्पिक तकनीक अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

कमिश्नर शिवम वर्मा के सामने हुआ हादसा, मौके पर कराया सुधार कार्य– इस गंभीर स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ दिन पहले नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा जब रेसकोर्स रोड से गुजर रहे थे, तभी उनकी आंखों के सामने एक दोपहिया वाहन सवार गैप में फंसकर गिर पड़ा। यह घटना होते ही कमिश्नर ने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई, घायल चालक से बात की और मौके पर निगम की जनकार्य टीम को बुलवाकर हाथोंहाथ सुधार कार्य शुरू करवाया।

अब भी कई सड़कें हादसों की इंतजार में

शहर में कई ऐसी सड़कों की पहचान की गई है जहां गैप की स्थिति बेहद खराब है, लेकिन अब तक सुधार कार्य नहीं हुआ है। मरीमाता से लेकर इमली बाजार तक बनी सड़क, डीआरपी लाइन चौराहा, शांतिपथ मार्ग और एमजी रोड जैसे इलाके अभी भी खतरे के साये में हैं। आने वाले दिनों में इन सभी स्थानों पर सुधार कार्य शुरू करने की योजना है।

शहरवासियों की सुरक्षा को लेकर नगर निगम पर उठे सवाल– इन घटनाओं ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या नगर निगम निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को लेकर पर्याप्त सतर्कता बरत रहा है? क्या सिर्फ तकनीकी उपायों के नाम पर नागरिकों की जान से खिलवाड़ हो रहा है? अब जबकि हादसे सामने आ चुके हैं, क्या वाकई निगम आने वाले समय में अपनी ज़िम्मेदारी निभाएगा या फिर ये सुधार सिर्फ दिखावटी होंगे?

कांग्रेस में जिला अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले ही बढ़ा विवाद, इंदौर से दिल्ली तक पहुंचीं शिकायतें

इंदौर। कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया अभी शुरू ही हुई है और इसके साथ ही गुटबाजी और शिकायतों का दौर भी तेज हो गया है। प्रदेश में सभी जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्षों को बदलने का निर्णय लिया गया है, और इसी प्रक्रिया के तहत इंदौर जिले में नए अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले ही विवाद खड़ा हो गया है।कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए विचार-विमर्श लगभग पूरा कर लिया है। इंदौर जिले के नए अध्यक्ष को लेकर अब स्थिति काफी रोचक और तनावपूर्ण होती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पटवारी नए चेहरे को मौका देने के मूड में हैं। इस पद के लिए सबसे आगे राधेश्याम पटेल का नाम चल रहा है। माना जा रहा है कि उन्हें ही यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

लेकिन जैसे ही यह संकेत मिले, इंदौर से लेकर दिल्ली तक पटेल के खिलाफ शिकायतों का सिलसिला शुरू हो गया। आरोप है कि राधेश्याम पटेल जिले की विभिन्न तहसीलों के नेताओं के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं, यहां तक कि अपनी ही देपालपुर तहसील में भी उनके संबंध कमजोर बताए जा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में राहुल गांधी ने यह स्पष्ट किया था कि जो नेता भाजपा से करीबी रखते हैं, उन्हें पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। इसी संदर्भ में राधेश्याम पटेल के खिलाफ नई शिकायत सामने आई है, जिसमें आरोप है कि उनके परिवार का एक सदस्य राहुल पटेल गुजरात में भाजपा प्रत्याशी हार्दिक पटेल का चुनाव प्रचार करता नजर आया। इसके प्रमाणस्वरूप प्रचार के दौरान की तस्वीरें भी कांग्रेस हाईकमान को भेजी गई हैं। इन सब के बीच, राऊ विधानसभा क्षेत्र से मनीष पटेल का नाम भी एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आया है। हालांकि जिले की सभी तहसीलों में उनकी पकड़ भी सीमित बताई जा रही है। जिला अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस के भीतर उठापटक तेज हो गई है। हर तहसील से अलग-अलग दावेदार सामने आ रहे हैं और शिकायतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। अब देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इस गुटबाजी को कैसे संभालती है और किसे इंदौर का नया जिला अध्यक्ष बनाकर भेजती है।

पारा 41 के पार पहुंचा, अब भी बच्चे दो से तीन बजे स्कूल से लौटने को मजबूर

इंदौर। बढ़ती तपन का असर पशु-पक्षियों के साथ इंसानों पर भी नजर आने लगा है। कल कालिंदीकुंज में पांच मोर गर्मी की मार के चलते पेड़ों पर बैठे-बैठे ही जमीन पर औंधे मुंह गिरे और काल के गाल में समा गए। ऐसे में स्कूलों का समय कम करने की मांग उठने लगी है। इस बार अप्रैल माह में ही सूरज की तपन 41 डिग्री के पार पहुंच चुकी है। आसपास के जिलों के कलेक्टर ने बच्चों के स्कूल समय में परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इंदौर के स्कूलों के बच्चे अब भी दो से तीन बजे तक की तपती धूप में घर लौट रहे हैं।

अप्रैल माह के साथ ही नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है। इसके साथ ही सूरज की तपन इतनी तेज हो गई है कि सुबह दस बजे से ही लपटों का अहसास होने लगता है। ऐसे में स्कूलों की छुट्टी का समय परिवर्तित नहीं किए जाने के कारण बच्चे तपती धूप में घर लौट रहे हैं। सुबह साढ़े सात बजे से संचालित होने वाले अधिकांश स्कूलों में छुट्टी का समय दो से तीन बजे के बीच का है, जिसके कारण बच्चे तपती धूप की मार सहने को मजबूर हैं। इस मामले में कलेक्टर आशीषसिंह का कहना है कि अभी इंदौर में इतनी गर्मी शुरू नहीं हुई है। मौसम विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर स्कूलों के छूटने के समय में परिवर्तन करेंगे। इंदौर जिले के मासूमों का कलेक्टर से सवाल है कि आखिर हमें कब इस तपन से मुक्ति दिलाई जाएगी।

अस्पतालों में बढने् लगे मरीज

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार तपन के चलते लू लगने और हीट स्ट्रोक होने के मामले सामने आने लगे हैं। हालांकि अभी इसकी संख्या बहुत अधिक नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने भी हाल ही में एडवाइजरी जारी कर धूप से बचाव की बात कही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. बीएस सैत्या ने नागरिकों से अपील की है कि लू, तापघात से बचने के लिए खूब पानी पिएं, खाली पेट न रहें, शराब, चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें। ठंडे पानी से नहाएं व धूप में निकलते समय सर ढंके और हलके रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहनें। बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ने की भी समझाइश दी गई है।

गर्मी अभी से बढ़ने लगीजशिक्षा विभाग ने ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से घोषित किया

गर्मी इस बार अप्रैल माह से पडने् लगी है, लेकिन स्कूली शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों का इस बार ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से शुरू किया है, जो 46 दिन का रहेगा। यानी ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए विद्यार्थियों को अप्रैल माह में भी अभी 20 दिन और शालाओं में जाना होगा। वहीं शिक्षकों का 15 दिन पहले ही अवकाश खत्म किया गया है।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग, रातभर चली फायर ब्रिगेड की मशक्कत

इंदौर। पीथमपुर के सेक्टर-3 स्थित एक प्लास्टिक पाइप निर्माण फैक्ट्री में कल देर रात भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उसे काबू में करने के लिए इंदौर और आसपास के इलाकों से कुल 13 दमकल वाहन मौके पर बुलाए गए। फायर ब्रिगेड को पूरी रात मशक्कत करनी पड़ी, और आखिरकार सुबह 10 बजे तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। इस हादसे में सबसे अहम भूमिका निभाई फायर ब्रिगेड के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया की, जिन्होंने आग को पास की फैक्ट्रियों में फैलने से रोकने के लिए 70 डंपर बालू रेत मंगवाकर फैक्ट्री के पास दीवार जैसी बाधा बनवाई। इससे आग सीमित दायरे में ही रही और बड़ा नुकसान टल गया। चार लाख लीटर से ज्यादा पानी का उपयोग कर दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। फैक्ट्री में रसायन और प्लास्टिक सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया था। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन फैक्ट्री को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन और दमकल विभाग ने राहत की बात कही है कि समय रहते नियंत्रण पा लिया गया, वरना आग और फैक्ट्रियों में फैल जाती तो बड़ा औद्योगिक हादसा हो सकता था।

इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कुकुरमुत्तों की तरह फैल रही अवैध कॉलोनियां

संवाददाता दैनिक सदभावना पाती

इंदौर। जिले में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चल रही मुहिम के तहत कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में धार रोड स्थित ग्राम धन्नड़, पीथमपुर रोड पर अपर कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशन में एसडीएम गोपाल वर्मा द्वारा एक अवैध कॉलोनी को सील किया गया था। हालांकि, सवाल यह उठता है कि क्या इस क्षेत्र में केवल यही एक अवैध कॉलोनी है? आसपास कई अन्य अवैध कॉलोनियां कुकुरमुत्तों की तरह फैलती जा रही हैं, लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। क्या प्रशासन की यह 'चुनिंदा कार्रवाई' सवालों के घेरे में नहीं है?

ग्राम धन्नड़ से कुछ ही दूरी पर स्थित ग्राम चिराखान, जो पीथमपुर के समीप है, वहां लक्ष्मी नगर, न्यू लक्ष्मी नगर, बालाजी पार्क और न्यू बालाजी पार्क जैसी 4 से 6 अवैध कॉलोनियां बस चुकी हैं। इन कॉलोनियों में कॉलोनाइजरों द्वारा कुछ हिस्सों में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर पहाड़ियों को काटकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

जब इस मामले में जांच की गई, तो पाया गया कि कॉलोनाइजर 'साम, दाम, दंड, भेद' की नीति अपनाकर प्रशासनिक कार्रवाई से बचने की कोशिश में लगे हैं।

अगले अंक में होंगे और बड़े खुलासे

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 12 अप्रैल , 2025

संपादकीय | रेपो दर कम होने से ब्याज दरों में आती है कमी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार अनुमानों के मुताबिक रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती कर दी है। करीब पांच वर्षों तक रेपो दर में कोई कटौती नहीं की गई थी। फरवरी में पच्चीस आधार अंक की कटौती की गई थी। यह दूसरी कटौती है। इससे बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ने और भवन, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ कम होने का रास्ता आसान हो गया है। रिजर्व बैंक यह फैसला इसलिए कर पाया कि इस वक्त अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी नीचे आ गई हैं, गेहूं और दालों का अच्छा उत्पादन हुआ है, खुदरा महंगाई का रुख नीचे की तरफ है।

आगे भी महंगाई के नीचे रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ने महंगाई चार फीसद पर रहने का अनुमान लगाया है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य भी यही था कि महंगाई को चार फीसद के आसपास रखा जा सके। इसलिए अब उसने अपना ध्यान विकास दर पर केंद्रित कर दिया है। फिलहाल विकास दर साढ़े छह फीसद पर रहने का अनुमान है। जिस तरह अमेरिकी शुल्क नीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत के लिए अपना सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी हो गया है।

इस वक्त अच्छी बात है कि विनिर्माण क्षेत्र में सुधार नजर आ रहा है, जो चिंताजनक स्तर तक गोते लगा चुका था। विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर होने का असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ता है। यह क्षेत्र इसलिए कमजोर पड़ा हुआ था कि महंगाई आम लोगों की सहनशक्ति से ऊपर चली गई थी और उन्होंने अपने दैनिक उपभोग में कटौती करनी

शुरू कर दी थी। अब महंगाई घटी है, तो स्वाभाविक रूप से उपभोग का स्तर उठेगा, जिससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा।

रेपो दर कम होने से ब्याज दरों में कमी आती है। इसका लाभ कर्ज लेने वालों को तो मिलता है, पर बचत खाते आदि में पैसा जमा कराने वालों को नुकसान होता है। हालांकि जिन लोगों के पास पूंजी अधिक है, वे लंबी अवधि की योजनाओं में जमा कर अधिक ब्याज का लाभ ले सकते हैं। सबसे अधिक राहत वाहन, भवन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों को महसूस होती है, पर बैंक चूंकि लंबे समय से कारोबारी शिथिलता से जूझ रहे हैं, वे रेपो दर में पच्चीस आधार की कटौती का लाभ तुरंत अपने ग्राहकों को देना शुरू कर देंगे, कहना मुश्किल है।

इस वक्त जिस तरह विश्व बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, निर्यात में और कमी आने की चिंता बढ़ गई है। पहले ही निर्यात के मामले में संतोषजनक वृद्धि नहीं हो पा रही थी, कई देशों के साथ व्यापार घाटा चिंताजनक दर से बढ़ रहा था, उसमें घरेलू बाजार को मजबूत करने पर बल देना होगा। रिजर्व बैंक का कहना है कि बाजार में अतिरिक्त पूंजी प्रवाह बढ़ाया जाएगा, इससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा, मगर खपत बढ़ाना फिर भी बड़ी चुनौती रहेगी।

ऐसे में, रेपो दर में कटौती का लाभ इस बात पर निर्भर करेगा कि घरेलू बाजार को मजबूत करने पर कितना जोर दिया जा रहा है। जब बेरोजगारी की दर पर काबू पाने और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के साधन विकसित नहीं हो पा रहे हैं, तो उसमें केवल रेपो दर में कटौती से आर्थिक बेहतरी का दावा करना मुश्किल ही बना रहेगा।

वैश्विक बाजार की हलचल छात्रों के लिए सीखने का सुनहरा अवसर

प्रो. रोहित यादव (मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़, इंदौर)

आज का युग वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति का है, जहाँ दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली आर्थिक, राजनीतिक या सामाजिक घटनाएँ हमारे देश, हमारे बाजार और हमारे करियर को सीधे प्रभावित करती हैं। ऐसे में छात्रों के लिए वैश्विक बाजार की खबरों से जुड़े रहना केवल एक अतिरिक्त योग्यता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। हाल ही की कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर नजर डालें तो कई महत्वपूर्ण सीखें मिलती हैं। अमेरिका द्वारा चीन से आयात पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने से दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव गहरा गया है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वैश्विक व्यापार नीति, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय दबाव को समझने का अवसर मिलता है। वहीं, भारत के शेयर बाजार में तेजी और अमेरिकी बाजार में गिरावट इस ओर इशारा करती है कि कैसे अलग-अलग देशों की आर्थिक स्थिति, निवेशकों की मानसिकता और वैश्विक घटनाएं मिलकर बाजार को प्रभावित करती हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण घटना ईरान और आर्मेनिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास है, जिसने अमेरिका और इजरायल जैसे देशों की चिंता बढ़ा दी है। यह उदाहरण इस बात को दर्शाता है कि भू-राजनीतिक घटनाएं भी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालती हैं। साथ ही, जब दुनिया की खबरें हमें परेशान कर रही होती हैं, तब सुल्तानपुर जैसे शहरों में युवा अपनी पॉकेट मनी से गरीबों के लिए कंबल और स्वेटर खरीदते हैं ङ्क यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे इन घटनाओं को केवल समाचार के रूप में न देखें, बल्कि उनमें छिपे प्रबंधन, वित्त, कूटनीति और सामाजिक उत्तरदायित्व के आयामों को समझें। जब कोई छात्र नियमित रूप से वैश्विक बाजार की हलचल को समझता है, तो उसमें नेतृत्व की भावना, विश्लेषण क्षमता और व्यावहारिक सोच विकसित होती है। यह न केवल उसे कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायक होता है, बल्कि नौकरी के इंटरव्यू और भविष्य की कार्यस्थल की चुनौतियों में भी आगे रखता है। मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़, इंदौर में हम छात्रों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें वर्तमान वैश्विक परिवेश से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहते हैं। हमारा उद्देश्य है कि विद्यार्थी वैश्विक नागरिक बनें, जिनमें समसामयिक घटनाओं की गहरी समझ और समाज के प्रति जिम्मेदारी हो। दुनिया तेजी से बदल रही है। जो छात्र इस बदलाव को समझ रहे हैं और उसके अनुरूप खुद को तैयार कर रहे हैं, वही कल के प्रभावशाली नेता बनेंगे। ऐसे में यह जरूरी है कि हम केवल डिग्री न पाएं, बल्कि दुनिया को देखने, समझने और उस पर प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी विकसित करें। आज की खबरें, कल की सफलता की बुनियाद बन सकती हैं ङ्क यदि हम उनसे सीखने का नजरिया रखें।

आज का कार्टून

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद...

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है।

उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग् तमिल की अवधारणा और संविधान

की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फार्मूला रहा है। त्रिभाषा फ़ॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

वात्सल्य के साथ-साथ स्पर्श स्पंदन की शक्ति...

जीवन की यात्रा में हम स्पर्श की अनुभूति को कई तरह से महसूस करते हैं। धरती पर किसी भी शिशु के आगमन के बाद उसे सबसे पहले अपनी मां का स्पर्श प्राप्त होता है। इस स्पर्श सुख का कमाल है कि जिस शिशु के जन्म के समय मां भीषण दर्द सहते हुए बच्चे को जन्म देती है और जैसे ही शिशु को मां की बांहों में रखा जाता है, रोते हुए बच्चे एकदम शांत हो जाते हैं और प्रसूति की वेदना भी गायब हो जाती है। इस चरण के बाद भी बच्चा किसी भी कारण से अगर रो रहा हो और घर के अन्य सदस्य उसे चुप कराने में विफल हों, उस समय मां की गोद में आते ही शिशु बिल्कुल शांत और खुश हो जाता है।

अशोक कुमार

मानव मस्तिष्क में एक ओर संवेदनाओं की विभिन्न धाराएं प्रवाहित होती रहती हैं, जबकि उसके मन में व्यवहार की भी अलग तरंगें सदा सृजित होती हैं। व्यवहार के ये प्रवाह चेतन और अचेतन मन की ग्रंथियों की संवाहक होकर हम सभी के दैनिक जीवन के विविध आयामों में उतर कर व्यक्तित्व की छटा से संलग्न हो जाती हैं। तंत्रिका विज्ञान की भी मान्यता है कि हर प्राणी के मानस मंडल में कल्पनाओं के असीम भंडार छिपे हुए हैं। कल्पनाएं कभी गहरे चिंतन के अध्याय निर्मित करती हैं तो कभी वे हमारी दिनचर्या के विभिन्न पड़ावों पर अपनी छाप छोड़ती हैं। सुख-दुख के वातावरण में हम सभी सामान्य रूप में अपने स्वजनों से मिलकर अपनी संवेदना ज्ञापित करते हैं, जबकि ऐसी स्थिति नहीं रहने पर पत्र, दूरभाष, ईमेल आदि का सहारा भी लेने की प्रथा अब प्रचलित हो गई है। चिंतकों ने व्यक्ति के व्यक्तित्व के गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि प्राणियों में दृष्टि भाव, स्मृति भाव के साथ-साथ स्पर्श भाव के विपुल पुंज विद्यमान हैं। परिस्थिति के अनुसार व्यक्ति इन तीनों भावात्मक अनुभूतियों के माध्यम से अपने परिवार, मित्र और स्वजनों के प्रति व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं। स्मृति भाव के दृष्टांत में कहा गया है कि सागर

तट के रेत में मादा कछुआ अपने अंडे को छिपाकर अपने आहार के लिए अन्यत्र चली जाती है और देर संध्या वापसी के बाद छिपाए अंडे जब नहीं खोज पाती, तो वह कारुणिक चीत्कार करती लगातार उन्हें खोजती जाती है और आखिर उसे उस स्थान की पहचान हो जाती है, जहां उसने अपने अंडे को छिपाया था।

जीवन की यात्रा में हम स्पर्श की अनुभूति को कई तरह से महसूस करते हैं। धरती पर किसी भी शिशु के आगमन के बाद उसे सबसे पहले अपनी मां का स्पर्श प्राप्त होता है। इस स्पर्श सुख का कमाल है कि जिस शिशु के जन्म के समय मां भीषण दर्द सहते हुए बच्चे को जन्म देती है और जैसे ही शिशु को मां की बांहों में रखा जाता है, रोते हुए बच्चे एकदम शांत हो जाते हैं और प्रसूति की वेदना भी गायब हो जाती है। इस चरण के बाद भी बच्चा किसी भी कारण से अगर रो रहा हो और घर के अन्य सदस्य उसे चुप कराने में विफल हों, उस समय मां की गोद में आते ही शिशु बिल्कुल शांत और खुश हो जाता है। यह शिशु का मां के वात्सल्य के साथ-साथ स्पर्श स्पंदन की शक्ति है, जो सृष्टि के सृजन काल से महसूस की जा रही है। जीवन के अन्य चरणों में भी व्यक्ति को अपनी मां से लिपट कर स्पर्श सुख की जो सबसे अधिक अनुभूति होती है, वह अन्यत्र दुर्लभ ही है। जब हम अपने मित्र या स्वजन से बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो उनसे गले लगते हैं या हाथ मिलाते हैं, तब हाथ का हाथ से गले का गले से स्पर्श तरंग एक दूसरे को आनंदित कर देती है और प्रसन्नता के हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं। इसी कड़ी में बीमारी या शोक की घड़ी में किसी साथी द्वारा पीड़ित साथी के कंधे पर हाथ रखते ही उसके शोक के घनत्व में कमी आ जाती है। जब दोनों दोस्तों की पलकें भावुकतावश गीली होती हैं तो दुखी मन कुछ देर के लिए हल्का हो जाता है। किसी अनजान व्यक्ति से किसी मोड़ पर मुलाकात में जब हम औपचारिकता में हाथ मिलाते हैं, तो वह क्षण परिचय परिधि की नींव रखते हुए आत्मीयता का द्वार खोलता है। यह विधा हमें शालीनता और विनम्रता का पाठ तो पढ़ाती ही है, शिष्टाचार के सागर में छिपे कई मोतियों को चुनने का अवसर भी प्रदान करती है। प्रकृति में व्याप्त असंख्य पशु-पक्षी भी इस सुख में अपने को सन्निहित पाते हैं। बचपन में दादी जब घर की गाय को कुछ खिलाने जाती थीं तो सबसे पहले उसके सिर पर हाथ फेरते हुए उसे सहजता से पुचकारती थीं और गाय उनके हाथ में रखे खाने के अंश को ले लेती थी। पक्षी भी स्पर्श भाषा और भाव में गहरी डुबकी लगाते देखे जाते हैं। घोंसले में नन्हे चूजे अपनी मां, जो उनके लिए मुंह में दाना-पानी लेकर आती है, उसकी दूर से ही आहट पहचान लेते हैं और घोंसले से बाहर निकलकर चूं-चूं करते हुए आहार ग्रहण कर लेते हैं, जबकि कोई अन्य पक्षी पास में बैठ गया हो तो वे उसकी आहट के अहसास को प्रतिकूल भांपकर घोंसले के अंदर ही दुबके रहते हैं। जीवन के कुछ मुख्य क्षेत्रों में हम स्पर्श की महत्ता को अक्सर देखते तो हैं, लेकिन उसके गहरे मर्म को समझने में चूक जाते हैं। कृषि कार्यों की शुरूआत में किसान पहली बार अपने खेत में कदम रखने के पहले उसकी मिट्टी को माथे से तिलक लगा कर और नमन कर शेष कृषि कार्य शुरू करते हैं। इसी प्रकार हमारे सैनिक किसी भी क्षेत्र में अपने दायित्व पालन के लिए प्रस्थान करते हैं तो वे अपने अस्त्र-शस्त्र को माथे से स्पर्श करते हैं और युद्ध में तो वे अपनी मातृभूमि का सबसे पहले स्पर्श वंदन करना नहीं भूलते। खेल में कई खिलाड़ी मैदान पर आते ही धरती मां का हाथ से स्पर्श कर अपने मस्तक को झुकाते हैं। किसी फुलवारी के माली भी अपने कोमल पौधों को स्पर्श सुख प्रदान कर उसमें गति, खुशबू और ऊर्जा भरते रहते हैं। इस सुख की भाषा के अनेक आयाम हैं, जिससे हमारा तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। स्पर्श का सीधा अर्थ है कि इंद्रियां संवेदी अंश के संपर्क में हैं। जब उचित संवेदी परिस्थितियां एकत्रित होती हैं, यानी एक दूसरे के संपर्क में आती हैं तो संवेदनाएं जागृत हो नेह छोह की शीतलता से अभिभूत हो जाती हैं। मोटे तौर पर कहें तो किसी वस्तु, इंद्रिय, अंग और चेतना के एक क्षण का एक साथ आना स्पर्श भाव का सृजन है। जरूरत है कि भौतिक व्यामोह की कृत्रिम छांव से कुछ पल के लिए हम स्वतंत्र हो पुराने सहपाठी, सगे-संबंधी, किसी वृद्धाश्रम या अनाथालय में जाकर संवेदना और सहानुभूति के लिए तरस रहे लोगों को इस सुख से राहत दें।

अब और नहीं बेचनी पॉलिसी, कुछ करना है... लुधियाना के इस शख्स ने ऐसे खड़ा कर लिया 100 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। लुधियाना के बिक्रमजीत सिंह ने ऑर्गेनिक फार्मिंग को सफल व्यवसाय में बदला है। उन्होंने जैविक खेती के महत्व को समझकर इसे 100 करोड़ रुपये की कंपनी में तब्दील कर दिया। बिक्रमजीत ने कृषि तकनीक और नए तरीकों का इस्तेमाल करके स्थानीय किसानों को सशक्त बनाया है। उनकी सफलता की कहानी कई युवा किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने हेल्दी अर्थ ब्रांड बनाया है। ऑर्गेनिक फूड रेस्टोरेंट भी खोले हैं। इसके साथ ही, बिक्रमजीत ने जनरेशन ऑफ फार्मिंग नाम के संगठन के जरिये युवाओं को विदेश जाने से रोका है। वह कृषि और उद्योग को मिलाकर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। आइए, यहां बिक्रमजीत सिंह की सफलता के सफर के

बारे में जानते हैं।

बिक्रमजीत सिंह का कृषि से उद्योग तक का सफर बहुत खास है। 2005 में ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने पहले एक बीमा कंपनी में काम किया। वह 9 से 5 की नौकरी करते थे। साथ ही, उन्होंने 2.75 एकड़ जमीन पर खेती भी शुरू की। अनार के बागान में नुकसान होने पर बिक्रमजीत ने नींबू की खेती शुरू की। 2010 में एमबीएम करने के बाद उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में एंट्री की। लेकिन, उनकी असली दिलचस्पी खेती में ही थी। 2014 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला लिया। उस समय तक वह खेती से अच्छी कमाई करने लगे थे।

बिक्रमजीत सिंह ने 200 एकड़ लीज पर जमीन लेकर जैविक खेती को बढ़ाया। उन्होंने 100 एकड़ में फलों के बाग लगाए। बाकी 100 एकड़ में गेहूं, बासमती चावल, मक्का, गन्ना और सब्जियां उगाईं। ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति उनके जुनून ने उन्हें कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की ओर आगे बढ़ाया। अब उनके साथ 600 किसान 8,000 एकड़ जमीन पर जैविक खेती कर रहे हैं। किसानों को वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से ऊपर की कीमतें देते हैं। इससे उन्हें अच्छी आय होती है।

हेल्दी अर्थ ब्रांड की रखी नींव

अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए बिक्रमजीत ने हेल्दी अर्थ ब्रांड की स्थापना की। उनके स्टोर में 216 से ज्यादा ऑर्गेनिक प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, उन्होंने ऑर्गेनिक फूड रेस्टोरेंट भी शुरू किए हैं। मेनू में रागी मुख्य आकर्षण है। यह पोषण का पावरहाउस होता है। बिक्रमजीत युवाओं को प्रेरित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। भले ही उनके चचेरे भाई विदेश चले गए हों, लेकिन वह पंजाब में रोजगार के अवसर पैदा करना चाहते हैं।

पिछले दो साल में बिक्रमजीत ने सैकड़ों युवाओं को विदेश जाने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने किसानों को बेहतर आजीविका प्रदान की है। जनरेशन ऑफ फार्मिंग नाम के एक संगठन के जरिये उन्होंने जैविक खेती में क्रांति ला दी है। उनका लक्ष्य कृषि और खुदरा क्षेत्र में नौकरियां पैदा करना है। बिक्रमजीत की सफलता की कहानी कृषि और उद्योग को मिलाने के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक तकनीक, स्मार्ट मैनेजमेंट कौशल और स्थानीय किसानों के सहयोग से उन्होंने 100 करोड़ रुपये का व्यवसाय खड़ा कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ नागरिकों की रियायत वापस लेकर 5 साल में 8913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत एक आवेदन पर रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) से प्राप्त जवाब के अनुसार, भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें वापस लेकर पांच वर्षों में लगभग 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। सीआरआईएस रेल मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और विभिन्न अन्य सेवाएं प्रदान करने के अलावा टिकटिंग और यात्रियों के आंकड़ों का रखरखाव भी करता है।वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर रियायत बहाल करने का सवाल संसद में कई मौकों पर सदस्यों की ओर से उठाया गया है। इसके जवाब में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे पहले से ही प्रत्येक यात्री को औसतन 46 प्रतिशत रियायत देता है। 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 20 मार्च, 2020 से पहले सभी वर्गों के लिए ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी। कोविड महामारी की शुरुआत के कारण रेल मंत्रालय ने यह सुविधा वापस ले ली थी।आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त यात्रियों के साथ-साथ उनसे प्राप्त राजस्व के आंकड़ों से पता चलता है कि 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच 31.35 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर) ने रियायतों के निलंबन के कारण 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करके यात्रा की।

कर प्रोत्साहन उपाय भारतीय अर्थव्यवस्था को टैरिफ की मार से बचाने में मददगार, व्यापार संतुलन पर होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ से जुड़े जोखिमों को देखते हुए मूडीज एनालिटिक्स ने 2025 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को 0.3 फीसदी घटाकर 6.1 फीसदी कर दिया है। मार्च में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान जताया था। वित्तीय सेवा कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा, अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है। इसलिए, भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने से व्यापार संतुलन पर भारी असर पड़ेगा। हालांकि, 2025-26 के बजट में घोषित टैक्स प्रोत्साहन उपायों से घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और इससे अन्य कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में समग्र वृद्धि पर टैरिफ के झटके को कम करने में मदद मिलेगी।

रेपो दर में फिर होगी 0.25 फीसदी कटौती

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सकल महंगाई में अच्छी रफ्तार से कमी आ रही है। इससे आरबीआई को उदार रुख कायम रखने में मदद मिलेगी।मूडीज ने ब्याज दरों के मोर्चे पर कहा, हमें उम्मीद है कि आरबीआई रेपो रेट में एक बार फिर 0.25 फीसदी की कटौती करेगा। इससे साल के अंत तक प्रमुख नीतिगत दर घटकर 5.75 फीसदी रह जाएगी। मूडीज ने 'एपीएसी आउटलुक : यूएस वर्सेज देम' रिपोर्ट में कहा, भारत पर 26 फीसदी अमेरिकी टैरिफ से रत्न एवं आभूषण, चिकित्सा उपकरण और कपड़ा उद्योग सबसे बुरी तरह प्रभावित होंगे।

अमेरिका-चीन की लड़ाई में सोने की मौज, 1,700 रुपये उछल गई कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर बढ़ने से सोना रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। व्यापार को लेकर तनाव बढ़ गया है। इस वजह से सोना अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। निवेशकों को मंदी की आशंका डरा रही है और इसलिए वे सोने में पैसा लगा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि इसमें को सबसे सुरक्षित माना जाता है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी कीमत पहली बार 3,200 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर बाकी देशों के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया है। लेकिन चीन से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। अब चीन से आने वाले सामान पर 145 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

एमसीएक्स पर जून डिलीवरी वाला सोना सुबह 10.30 बजे 1233 रुपये यानी 1.34 फीसदी तेजी के साथ 93,266 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती कारोबार में यह 93,736 रुपये तक उछला। चांदी भी 763 रुपये की तेजी के साथ 92,358 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत 1 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,217.43 प्रति औंस तक पहुंची। इस हफ्ते सोने के दाम में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका में सोने का वायदा कारोबार 1.5 प्रतिशत बढ़कर 3,226.50 पर पहुंच गया। अक्टूबर 2022 से इसमें 90 फीसदी तेजी आई है।

आगे कैसी रहेगी चाल- इस साल सोने की मांग बहुत ज्यादा रही है। कई देशों के सेंट्रल बैंकों ने जमकर सोना खरीदा है। लोगों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को कम करेगा। मध्य पूर्व और यूरोप में राजनीतिक अस्थिरता है। इसलिए भी लोग सोने में पैसा लगा रहे हैं। सोने में निवेश करने वाले श्रृङ्खस में भी ज्यादा पैसा आ रहा है। गुरुवार के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में सामान की कीमतें मार्च में गिर गई हैं। लेकिन ट्रंप ने चीन पर जो टैक्स बढ़ाया है, उससे महंगाई बढ़ने का खतरा है।

इस खबर के बाद कारोबारियों को लग रहा है कि फेड जून में फिर से ब्याज दरें कम करेगा। शायद साल के अंत तक ब्याज दरें 1 प्रतिशत तक कम हो जाएं। सोने को हमेशा से ही राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई से बचने का एक तरीका माना जाता है। इस साल सोने के दाम में 21 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सोने की बढ़ती कीमत दिखाती है कि दुनिया में डर का माहौल है। लोग अपनी संपत्ति को सुरक्षित रखना चाहते हैं, इसलिए वे सोना खरीद रहे हैं। आने वाले दिनों में सोने की कीमत और भी बढ़ सकती है।

विदेशी व घरेलू निवेशकों ने मार्च में बाजार में लगाए पांच अरब डॉलर, बीएफएसआई में सर्वाधिक निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी व घरेलू निवेशकों ने मार्च में शेयर बाजार में पांच अरब डॉलर निवेश किया। जेएम फाइनेंशियल सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, बीते महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 97.5 करोड़ डॉलर व घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कुल 4.3 अरब डॉलर का घरेलू इक्विटी बाजार में निवेश किया है।

बाजार में एफआईआई की बढ़ती हिस्सेदारी

रिपोर्ट के अनुसार, मार्च की शुरुआत से लेकर 19 तारीख तक एफआईआई शेयर बाजार में शुद्ध विक्रेता थे। लेकिन, आखिरी हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने बड़े स्तर पर खरीदारी की और 3.6 अरब डॉलर से अधिक निवेश किया। इस कारण बाजार में एफआईआई की हिस्सेदारी बढ़कर 16.8 फीसदी हो गई है, जो फरवरी में 15.9 फीसदी थी।

एफआईआई ने किन क्षेत्रों में किया सर्वाधिक निवेश

जिन क्षेत्रों में एफआईआई ने सबसे अधिक निवेश किया, उनमें बैंकिंग, वित्तीय और बीमा सेवाएं (बीएफएसआई), दूरसंचार और मेटल शामिल थे। बीएफएसआई में 1.7 अरब डॉलर, टेलीकॉम में 36 करोड़ डॉलर और मेटल में 21.9 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया।एफआईआई का 60 फीसदी से अधिक निवेश बीएफएसआई, आईटी, तेल-गैस, ऑटो और फार्मा में था। भारत में एफआईआई की कुल संपत्ति में मार्च में बीएफएसआई की हिस्सेदारी बढ़कर 31.2 फीसदी पहुंच गई।

California and 15 states sue US over 200 million education funding rollback by ed

California Attorney General Rob Bonta, along with 15 other state attorneys general, has filed a lawsuit against the US Department of Education (ED) over its sudden decision to rescind previously awarded education funds, leaving school districts in a vulnerable position. The funding, totaling over $200 million in California alone, is crucial for the ongoing academic recovery efforts following the Covid-19 pandemic. In a press release issued on April 10, 2025, Bonta condemned the abrupt move by the Trump administration, accusing it of undermining the educational future of children across the country. The lawsuit, filed in response to ED's decision, argues that the department's actions are arbitrary, capricious, and unlawful under the Administrative Procedures Act. The coalition of states aims to secure a court order that would reinstate access to these vital funds.

Rescinding crucial funding for recovery programs

The US Department of Education's March 28, 2025, notification to state education departments revealed that it had rescinded its previous approvals for the allocation of funds, which were set to support a variety of programs in school districts nationwide. These programs include afterschool and summer learning initiatives, educational technology purchases, and mental health services. In California, the rescinded funding represents over $200 million in aid that was designated for use in addressing the academic, social, and emotional needs of students—especially those impacted by the pandemic's disproportionate effects on economically disadvantaged groups, including homeless children and those in foster care. Local school districts in California had already begun utilizing these funds to ensure that students had the resources needed for recovery.

Bonta's response and coalition efforts

Attorney General Bonta expressed strong opposition to the Trump administration's actions, stating, "The Trump administration's blatant disregard for the education of our children is on full display with this latest round of funding cuts." He emphasized that the federal government's decision throws schools into turmoil and threatens the academic success of an entire generation of students. Bonta, who has previously filed legal challenges against the Trump administration, called on the court to restore the funding and ensure that school districts across the country could continue their recovery efforts.

The lawsuit has been filed in collaboration with attorneys general from Arizona, Delaware, Hawai'i, Illinois, Maine, Maryland, Massachusetts, Michigan, Minnesota, Nevada, New Jersey, New Mexico, New York, Oregon, and the District of Columbia, along with the Governor of Pennsylvania.

Seeking court intervention to restore funding

The multistate coalition's lawsuit seeks to vacate the Department of Education's decision and reinstate the funding through March 2026. The legal challenge reflects growing frustration among states, as the federal government's action jeopardizes ongoing recovery initiatives in classrooms across the country. Without these funds, many educational programs that were already in place may face severe disruptions, putting the academic futures of millions of students at risk.

Harvard kennedy school students push back on trumps demands amid visa revocations and threats to 9b in funding

More than 180 students at Harvard Kennedy School (HKS) have expressed strong opposition to President Donald Trump's demands, urging Harvard's leadership to reject his ultimatum that threatens the university's $9 billion in federal funding. In a letter addressed to HKS Dean Jeremy M. Weinstein and Harvard President Alan M. Garber '76, the students outlined their demands for the university to uphold academic freedom, protect international students, and maintain its independence. The letter comes in response to Trump's directive to Harvard to impose restrictions on student protests and halt diversity programming in exchange for continued federal funding. The students argue that such demands would stifle free speech and endanger academic values, particularly as 59% of Harvard's student body is made up of international students, many of whom are at risk due to recent visa revocations.

International students and visa concerns

As reported by The Harvard Crimson, the open letter emphasizes the university's duty to protect international students, particularly following a wave of visa revocations. Since the beginning of April, 12 Harvard affiliates, including seven current students, have had their student visas revoked. While the university was not notified about the reasons behind these revocations, more than 600 students across the US have lost their visa status, often for reasons related to political activism, including pro-Palestine statements.

Organizers of the letter, who requested anonymity for non-citizen and international students, say the priority is to ensure that the university does not collaborate with law enforcement in ways that would compromise students' rights. The letter urges Harvard to limit cooperation with federal agencies, sharing personal information only when absolutely necessary by law. As reported by The Harvard Crimson, the students argue, "The decisions and actions you take in the coming weeks and months will not just drastically alter our experience as students, it will change the greater meaning of free intellectual pursuit within higher education across the country, and the world."

A broader movement across Harvard

The letter, titled "Our Resolve," is part of a broader student-led movement at Harvard to push back against Trump's administration's actions. HKS students are not acting alone; there have been similar letters of protest from students at other Harvard schools, including the Harvard School of Public Health. The letter to Weinstein and Garber is seen as a means of exerting pressure on the administration to resist Trump's policies and protect the university's commitment to academic freedom. The students have also called on Harvard to resist any changes to the "time, place, and manner" policies for student advocacy and to reject the push to centralize disciplinary authority under administrative control.

Vineet Joshi gets additional charge of UGC; an IIT-Kanpur, IIFT alumnus

The Ministry of Education has given an additional charge to Vineet Joshi, the current Secretary of the Department of Higher Education. He is appointed as the chairperson of the University Grants Commission (UGC). This decision has been taken following the retirement of the previous UGC chairman, Prof Mamidala Jagadesh Kumar. Joshi will discharge his duties as UGC chairperson till a full-time appointment is made or until further orders are issued.

An alumnus of IIT Kanpur, Vineet Joshi holds a BTech in Mechanical Engineering. IIT Kanpur is recognised as one of India's premier engineering and technology institutes. In the QS World University Rankings 2025, IIT Kanpur is placed at rank 263 globally. IIT Kanpur also holds a prestigious position as an Institute of National Importance. In the National Institutional Ranking Framework (NIRF) 2024, the institute secured the 5th rank in the overall category and 4th position in the engineering category. He went on to earn an MBA in International Business from the Indian Institute of Foreign Trade (IIFT), New Delhi, where he was a gold medalist. He later completed a PhD in Quality Management from IIFT. The institute is known globally, securing the 63rd position in the QS International Trade Rankings 2025 for its MBA and Master's programmes. His predecessor, Prof Mamidala Jagadesh Kumar, who had taken charge as UGC Chairman in February 2022, had a key role in shaping recent higher education reforms. His tenure in the UGC was marked by landmark initiatives, including the introduction of the Central University Entrance Test (CUET) for both undergraduate and postgraduate admissions. He was also at the helm of implementation of the National Education Policy (NEP) 2020, helping integrate its key recommendations into university functioning and structure.

Who is Vineet Joshi?

Vineet Joshi was born on November 2, 1968, in Uttar Pradesh, establishing the foundation for what would become a distinguished career in public service. A 1992-batch IAS officer of the Manipur cadre, has had a distinguished career across various tiers of educational administration. Prior to his current role in the Ministry of Education, he served as the Chief Secretary to the Government of Manipur, a position he held from July 2023 to December 2024. He was appointed as Secretary of Higher Education at the Centre on January 16, 2024, signifying a return to the education sector where he has held key portfolios in the past.

कब है हनुमान जन्मोत्सव?

तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिंदू धर्म में हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि प्रभु की प्रतिदिन उपासना करने से साधक के बड़े से बड़े कष्टों का निवारण होता है।
दरअसल, बजरंगबली को अष्ट सिद्धियां और नौ निधि का वरदान प्राप्त है। इसके प्रभाव से वह सभी भक्तों की विपत्तियों को समाप्त करते हुए जीवन में खुशियां भरते हैं। शास्त्रों में संकटमोचन को ऊर्जा, शक्ति, ज्ञान, भक्ति और बल का प्रतीक माना गया। वह भगवान राम के सबसे बड़े भक्त भी है, इसलिए उनकी उपासना से प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद भी मिलता है। इस दौरान हनुमान जी को प्रसन्न और उनकी विशेष कृपा पाने के लिए हनुमान जन्मोत्सव को सबसे शुभ माना गया है।
बता दें, चैत्र शुक्ल की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। मान्यता है कि बजरंगबली वर्तमान में भी हमारे आसपास धरती पर सशरीर मौजूद हैं, इसलिए इसे हनुमान जन्मोत्सव कहा जाता है। इस साल हनुमान जन्मोत्सव कब मनाया जाएगा, यह सवाल भक्तों के मन में बना हुआ है। ऐसे में आइए सही तारीख और शुभ मुहूर्त के बारे में जानते हैं...

कब है हनुमान जन्मोत्सव

इस बार चैत्र पूर्णिमा तिथि 12 अप्रैल 2025 को प्रातः 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू हो रही है। इस तिथि का समापन 13 अप्रैल 2025 को सुबह 05 बजकर 52 मिनट पर है। ऐसे में 12 अप्रैल 2025 को हनुमान जन्मोत्सव का महापर्व मनाया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव शुभ मुहूर्त

इस बार हनुमान जन्मोत्सव पर पूजा के लिए दो शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। पहला मुहूर्त 12 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 35 मिनट से सुबह 9 बजकर 11 मिनट तक है। इसके बाद दूसरा शुभ मुहूर्त शाम को 6 बजकर 45 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 8 मिनट तक रहेगा।

शुभ योग

हनुमान जन्मोत्सव पर हस्त नक्षत्र बन रहा है, जो शाम 6 बजकर 7 मिनट तक बना रहेगा। इस दौरान व्याघात योग भी बनेगा, जो रात 8 बजकर 39 मिनट तक है।

पूजा विधि

- हनुमान जन्मोत्सव के शुभ मौके पर सुबह ही स्नान-ध्यान कर लें।
- फिर पूजा स्थान पर आप एक चौकी को रखें और उसपर लाल रंग का साफ वस्त्र बिछाएं।
- अब चौकी पर हनुमान जी की प्रतिमा को स्थापित करें।
- अब प्रभु को सिंदूर, फूल माला, फल, अक्षत, फूल चढाएं।
- इसके बाद शुद्ध देसी घी का दीप जलाएं और हनुमान जी के मंत्रों का जाप करें।
- फिर आप प्रभु को बूंदी या बेसन के लड्डू का भोग लगाएं।
- अब हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और पूजा में हुई भूल की क्षमा मांगे।

बनेंगे सभी काम

माना जाता है कि यदि आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को घी, सिंदूर और चोला चढ़ाते हैं तो इससे आपके सभी रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इसके साथ ही जरूरी कामों को पूरा करने के लिए आप हनुमान जी को पीपल के पत्तों पर राम नाम लिखकर भी अर्पित कर सकते हैं।

चढ़ाएं ये फूल

लाल रंग हनुमान जी को प्रिय माना गया है। इसलिए आप पूजा के दौरान लाल रंग के पुष्प हनुमान जी को अर्पित कर सकते हैं। इसके लिए आप गेंदे के फूल या उनसे बनी माला हनुमान जी को अर्पित कर सकते हैं। इसके साथ ही आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन गुलाब के फूल या फिर लाल रंग के गड़हल के फूल अर्पित करके भी बजरंगबली की कृपा की प्राप्ति कर सकते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन आजमाएं

ज्योतिष के ये महाउपाय

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जन्मोत्सव वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

चैत्र महीने की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मुख्य रूप से हनुमान जी की पूजा करना और उन्हें भोग में कुछ विशेष चीजें चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यदि आप इस दिन पूजा-पाठ के अलावा हनुमान जी के लिए कुछ विशेष ज्योतिष उपाय आजमाते हैं तो इससे आपके जीवन में सदैव उनकी कृपा दृष्टि बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि हनुमान जी अपने भक्तों को सभी कष्टों से दूर करते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। यदि कोई व्यक्ति हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा का पाठ करता है और उनकी पूजा के साथ विशेष उपाय करता है, तो उनके बिगड़े काम भी बनने लगते हैं और हमेशा बजरंगबली की कृपा बनी रहती है।
ऐसा कहा जाता है कि इन उपायों से आपके करियर में आने वाले बाधाएं दूर होने लगती हैं, नौकरी में प्रमोशन के योग बन सकते हैं और आपके पारिवारिक जीवन में आने वाली सभी बाधाएं कम हो सकती हैं। यही नहीं इन उपायों से आपके मन का भी दूर हो सकता है। अगर आप भी अपने जीवन में आने वाली कई बाधाओं से बाहर निकलना चाहते हैं तो हनुमान जन्मोत्सव यानी कि 12 अप्रैल, शनिवार के दिन इन आसान ज्योतिष महा उपायों को जरूर आजमाएं।
हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्री हनुमान जी की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। यदि आप इस दिन उन्हें कुछ विशेष भोग अर्पित करें तो बहुत शुभ हो सकता है। यदि आप इस दिन केले का भोग हनुमान जी को चढ़ाएं तो बहुत फलदायी हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि केला हनुमान जी को अत्यंत प्रिय होता है। केले में शुद्धता और सात्विकता का समावेश होता है, जो हनुमान जी के तेजस्वी स्वरूप से मेल खाता है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमान मंदिर में जाकर उन्हें केले का भोग लगाने से जीवन में आने वाली सभी अड़चनें दूर हो सकती हैं और आपके कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। यदि यह आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन चढ़ाते हैं तो आपको इसका विशेष लाभ हो सकता है। इस भोग को हनुमान जी को अर्पित करने के बाद प्रसाद के रूप में घर के लोगों को वितरित करें।

हनुमान जी को जनेऊ चढ़ाएं

हनुमान जी को ब्रह्मचारी और बल, बुद्धि और विद्या के देवता के रूप में पूजा जाता है। यदि आप उन्हें हनुमान जन्मोत्सव के दिन जनेऊ अर्पित करें तो आपको इसके शुभ लाभ हो सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि हनुमान जी को नया जनेऊ चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में संस्कार, ज्ञान और आत्मबल की वृद्धि होती है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन किसी हनुमान मंदिर में जाकर यदि शुद्ध और पवित्र जनेऊ चढ़ाया जाए, तो यह जीवन के सभी क्षेत्रों में शुभ फल देता है। यह कार्य विशेष रूप से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और उन लोगों के लिए लाभकारी माना गया है जो अपने जीवन में मानसिक और आत्मिक बल का अभाव महसूस कर रहे हैं। ध्यान रखें कि जनेऊ चढ़ाने से पहले हनुमान जी की प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराएं और उसके बाद ही जनेऊ अर्पित करें।

हनुमान जी को नारंगी सिंदूर चढ़ाएं

मान्यता है की हनुमानजी को नारंगी सिंदूर अत्यंत प्रिय है और उन्हें सिंदूर चढ़ाने से आपको शुभ लाभ मिल सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एक बार हनुमान जी ने माता सीता से उनकी मांग में सिंदूर लगाने का रहस्य पूछा तो उन्होंने उत्तर दिया कि सिन्दूर लगाने से प्रभु श्री राम को दीर्घायु मिलेगी। उसी समय से हनुमान जी ने अपने पूरे शरीर में सिंदूरका लेप कर लिया जिससे उनके आराध्य प्रभु श्री राम के जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव पड़ें और वो प्रसन्न हों। तभी से हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। नारंगी रंग बल, साहस और ऊर्जा का प्रतीक होता है, जो हनुमान जी के तेजस्वी स्वरूप से मेल खाता है। हनुमान जन्मोत्सव को नारंगी सिंदूर अर्पित करने से शत्रु बाधा भी समाप्त हो सकती है।

दो मीठे पान का दान करें

हनुमान जन्मोत्सव के दिन यदि आप हनुमान जी को पान अर्पित करें और दो मीठे पान दान स्वरूप दें तो आपके जीवन में इसके लाभ हो सकते हैं। मीठे पान का दान करने से जीवन में मधुरता और सौभाग्य की वृद्धि होती है। मीठा पान प्रेम, समर्पण और मधुर वाणी का प्रतीक होता है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन यदि हनुमान जी को दो मीठे पान अर्पित किए जाएं, तो यह रिश्तों में मिठास लाने, दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखने और समाज में सम्मान प्राप्त करने में सहायक होता है। यह सरल उपाय जीवन में कई सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

अपनी मनोकामनाएं हनुमान जी के सामने रखें

हनुमान जी को संकटमोचक कहा गया है, यानी वे अपने भक्तों के हर संकट को हर लेते हैं। उनकी कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। हनुमान जन्मोत्सव जैसे विशेष अवसर पर जब भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामनाएं उनके समक्ष रखते हैं, तो वे अवश्य पूरी होती हैं। चाहे नौकरी की समस्या हो, विवाह में अड़चन हो या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी। अपनी मनोकामनाएं रखने से इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। अपनी मनोकामना रखने से पहले हनुमान जी का ध्यान करें, और ऊँ हं हनुमते नमः; मंत्र का 11 या 21 बार जाप करें।

हनुमान जन्मोत्सव पर बन रहे हैं दुर्लभ शुभ संयोग

इस साल हनुमान जन्मोत्सव 12 अप्रैल 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन हस्त नक्षत्र, व्याघात योग और शनिवार का शुभ संयोग बन रहा है। हस्त नक्षत्र शाम 6 बजकर 8 मिनट तक रहेगा। इस दौरान व्याघात योग भी बनेगा, जो रात 8 बजकर 39 मिनट तक है। वहीं इस बार हनुमान जन्मोत्सव शनिवार के दिन है। बता दें कि शनिवार का दिन बजरंगबली की पूजा के लिए समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार के दिन हनुमान जन्मोत्सव पड़ना बहुत ही शुभ संयोग है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि के दिन ही माता अंजनी और वानरराज राजा केसरी के घर हनुमान जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इसी दिन धूमधाम के साथ हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन केसरी नंदन के साथ ही भगवान राम और माता सीता की पूजा भी अवश्य करें। सिया राम की पूजा के बिना बजरंगबली की आराधना अधूरी मानी जाती है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन इस विधि से करें

श्रीयंत्र की पूजा

हिंदू धर्म में चैत्र पूर्णिमा का व्रत माता लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन श्रीयंत्र की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है।
सनातन धर्म में चैत्र पूर्णिमा को चैती पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। यह हिंदू नववर्ष की पहली पूर्णिमा है। पूर्णिमा तिथि के दिन मां लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि अगर आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है तो चैत्र पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा से लाभ हो सकता है। साथ ही अगर किसी जातक की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर है तो इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य देने और पूजा करने से भाग्योदय हो सकता है। अब ऐसे में चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने का विधान है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा किस विधि से करें?

- सुबह ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़कें।
- एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर श्रीयंत्र स्थापित करें।
- श्रीयंत्र को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और चीनी का मिश्रण) से स्नान कराएं और फिर गंगाजल से साफ करें।
- श्रीयंत्र पर तिलक लगाएं और अक्षत चढ़ाएं।
- दीपक और धूप जलाएं।
- मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर पास में रखें।
- सबसे पहले गणेश जी की पूजा करें।
- फिर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का ध्यान करें और उन्हें फूल, फल और मिठाई अर्पित करें।
- श्रीयंत्र के सामने बैठकर श्री सूक्त का पाठ करें। आप लक्ष्मी मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं।
- आखिर में श्रीयंत्र की आरती करें।
- चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने के नियम
- श्रीयंत्र की पूजा-अर्चना करने के दौरान माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करें।
- श्रीयंत्र की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप करने से लाभ हो सकता है।
- श्रीयंत्र की पूजा करने से बाद कुबेर देवता की भी जरूर करें। इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है।
- श्रीयंत्र की पूजा कभी भी प्रदोष काल में किया जा सकता है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने से व्यक्ति को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और व्यक्ति को भौतिक सुखों की भी प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा अगर आपके जीवन में बार-बार समस्याएं आ रही है तो चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने से शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

बजरंगबली अवतरण दिवस पर

7 शुभ प्रसाद का भोग लगाएं

12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए उन्हें तरह तरह के भोग लगाए जाते हैं। जानते हैं उन्हीं में से उनके प्रिय 7 भोग।

- **गुड़-चना** : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।
- **इमरती** : इमरती का भोग लगाने से संकटमोचन अत्यंत प्रसन्न होते हैं। आपकी जो भी मनोकामनाएं हैं, वे पूर्ण हो जाएंगी। बस, मंगलवार के दिन हनुमानजी को इमरती चढ़ा आएं।
- **लड्डू** : हनुमानजी को 3 तरह के लड्डू पसंद हैं- एक केसरिया बूंदी लड्डू, दूसरा बेसन के लड्डू और तीसरा मलाई-मिश्री के लड्डू। इसमें बेसन के लड्डू उन्हें खास पसंद हैं। लड्डू चढ़ाने से हनुमानजी भक्तों को दे देते हैं मनचाहा वरदान और उसकी मनोकामना पूर्ण कर देते हैं। लड्डू चढ़ाने से पापी ग्रह भी काबू में रहते हैं।
- **केसर-भात** : उज्जैन में मंगलनाथ पर केसर-भात से मंगल की शांति होती है। हनुमानजी को भी केसर-भात का भोग लगाया जाता है। इससे हनुमानजी बहुत जल्द प्रसन्न होते हैं। कोई व्यक्ति 5 मंगलवार हनुमानजी को यह नैवेद्य लगाता है, तो उसके हर तरह के संकटों का समाधान होता है।
- **रोट या रोठ** : ऐसी मान्यता है कि अगर हनुमानजी को मंगलवार के दिन रोट या मीठा रोटी का भोग लगाया जाता है तो मनवांछित फल मिलता है। गेहूं के आटे में गुड़, इलायची, नारियल का बूरा, घी, दूध आदि मिलाकर रोट बनाया जाता है। कुछ जगह इसे सेंककर रोटी जैसा बनाकर भोग लगाते हैं और कुछ जगह इसे पूरियों की तरह तलकर इसका भोग लगाते हैं। यह रोट हनुमानजी को बहुत प्रिय है।
- **पान का बीड़ा** : आपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- **पंच मेवा** : काजू, बादाम, किशमिश, छुआरा, खोपरागिट पंचमेवा के नाम से जाने जाते हैं। इसका भी हनुमानजी को भोग लगता है।

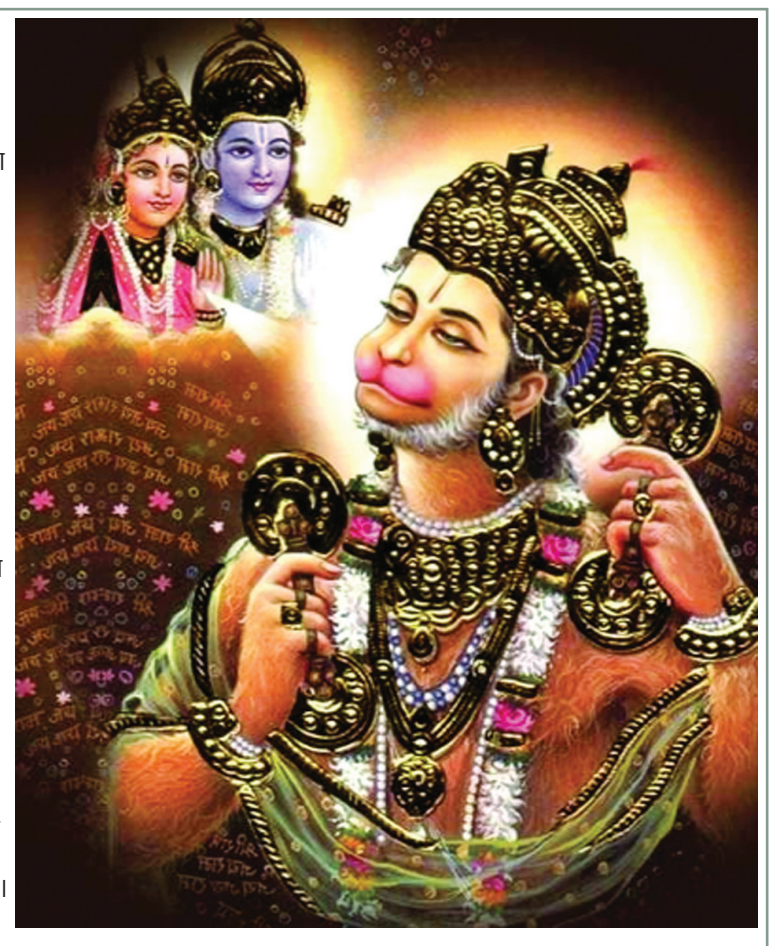

आईपीएल 2025

एकमात्र कप्तान जिसने 200 के स्ट्राइक रेट से की है अब तक बल्लेबाजी, औसत 80 से भी ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स के कप्तान और विस्फोटक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इस सीजन में अब तक एकमात्र ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने अभी तक 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और उनका औसत भी 80 से ऊपर है। श्रेयस अय्यर ने चार मैच खेले हैं और 168 रन बनाए हैं। 97 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। अब तक अय्यर के बल्ले से 10 चौके 14 छक्के निकले हैं। पंजाब किंग्स के लिए अय्यर ने दो पारियों में दो हाफ सेंचुरी भी लगाई है। हालांकि, बीते दो मैच में उनका बल्ला नहीं चला है, बावजूद उनकी स्ट्राइक रेट अन्य कप्तानों की तुलना में सबसे ज्यादा है।

वहीं, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने 168.75 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पांड्या ने चार मैच की तीन पारियों में 81 रन बनाए। पांड्या के बल्ले से 6 चौके और 5 छक्के निकले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन में अब तक 161.74 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं।

पाटीदार ने 5 मैच की 5 पारियों में 186 रन बनाए। 17 चौके और 9 छक्के जड़ चुके हैं। रजत के बल्ले से दो हाफ सेंचुरी भी आई है और उन्हें दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। उन्होंने 160.00 की स्ट्राइक रेट से पांच मैच की पांच पारियों में 184 रन बनाए हैं। रहाणे के बल्ले से 17 चौके और 12 छक्के निकले हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने 150.85 की स्ट्राइक रेट

के साथ 5 मैच की 5 पारियों में 178 रन बनाए हैं। सैमसन के बल्ले से 20 चौके और 7 छक्के निकले। हालांकि, संजू शुरुआती मैचों में कप्तानी के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी जगह रियान पराग ने कप्तानी की थी। लेकिन, संजू एक बार फिर से टीम की कमान अपने हाथों में ले चुके हैं।

फैंस को उम्मीद है कि आने वाले मैचों में उनकी बल्लेबाजी का दमखम देखने के लिए मिलेगा। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 150.61 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 122 रन बनाए। 14 चौके और 4 छक्के जड़े। गायकवाड़ ने दो पारियों में सीएसके के लिए हाफ सेंचुरी भी लगाई। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने 146.53 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की पांच पारियों में 148 रन बनाए। गिल के बल्ले से 16 चौके और 5 छक्के निकले। दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग ऑलराउंडर कप्तान अक्षर पटेल ने 4 मैच की 3 पारियों में 161.11 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। अक्षर ने 56 रन बनाए हैं। अक्षर के बल्ले से 7 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के निकले हैं। ऐसे ही सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस भी मुख्य तौर पर गेंदबाजी करते हैं।

बल्लेबाजी में कमिंस ने 155.55 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 5 चौके और 4 छक्के भी आए। सबसे निचले स्थान पर हैं लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्होंने सिर्फ 59.37 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पंत ने 5 मैच की चार पारियों में महज 19 रन बनाए। पंत के बल्ले से इस सीजन में एकमात्र छक्का ही लगा है।

चिन्नास्वामी में केएल राहुल ने गाढ़ा बैट

मारा छाती पर हाथ, 9 साल बाद बनाया यह रिकॉर्ड

बेंगलुरू, एजेंसी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में केएल राहुल के लिए वीरवार का दिन बेहद शानदार गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबला खेल रही दिल्ली को जीत के लिए 164 रन चाहिए थे लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय उनके 30 रन पर तीन विकेट गिर गए थे। ऐसे समय में केएल राहुल ने अपना बल्ला चलाया और 53 गेंदों पर 93 रन बनाकर 18वें ओवर में अपनी टीम को जीत दिला दी। राहुल जीत के बाद इतना खुश थे कि उन्होंने मैदान पहले बल्ला गाढ़ा तो उसके बाद छाती पर हाथ मारकर अपना जोश दिखाया। राहुल ने इस मैदान पर 9 साल बाद फिफ्टी लगाई है। इसका जोश उनके चेहरे पर साफ देखने को मिल रहा था। राहुल ने इसी के साथ आईपीएल में रन चेज का अपना रिकॉर्ड मजबूत कर लिया है। राहुल ने रन चेज में 25 पारियों में 71 की औसत से 1208 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 148 रही है। वह 12 पचासे लगा चुके हैं जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 नाबाद रहा है। वह उन 56 बल्लेबाजों में से एक है जिन्होंने आईपीएल में सफल रन-चेज में कम से कम 500 रन बनाए हैं। वह डेविड मिलर (103.70) के बाद सबसे बेहतरीन औसत वाले प्लेयर हैं। आरसीबी को उनके घरेलू मैदान पर हराने के बाद राहुल सीधा ही विराट कोहली को टक्कर देते नजर आए।

पांड्या हैं रोल मॉडल

काशवी ने चमकाया चंडीगढ़ का नाम, भारतीय टीम में मिली जगह

चंडीगढ़, एजेंसी। काशवी गौतम ने चंडीगढ़ और यूटीसीए का नाम रोशन किया है। काशवी शहर की पहली महिला क्रिकेटर बनी है जिनका चयन भारतीय महिला टीम में हुआ है। काशवी ऑलराउंडर हैं और वह हार्दिक पांड्या को अपना रोल मॉडल मानती हैं। सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ की युवा ऑलराउंडर काशवी गौतम को श्रीलंका में 27 अप्रैल से शुरू होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चुना गया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली काशवी गौतम यूटीसीए (यूटी क्रिकेट एसोसिएशन) की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं।

यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन ने सेक्टर-16 क्रिकेट स्टेडियम में काशवी को सम्मानित किया। संजय टंडन ने कहा कि काशवी

भारतीय टीम की जर्सी पहनने वाली यूटीसीए की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करिअर के लिए बल्कि चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए भी ऐतिहासिक है। इस समारोह में काशवी के माता-पिता सुदेश शर्मा और सीमा शर्मा भी मौजूद रहे।

देहरादून में वरिष्ठ महिला बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में खेल रहीं काशवी

काशवी को 2025 महिला प्रीमियर लीग में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चुना गया था, जहां उन्होंने गुजरात जायंट्स के लिए खेलते हुए 9 मैचों में 11 विकेट लिए थे। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज थीं। वर्तमान में, वह देहरादून में वरिष्ठ महिला बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में खेल रही हैं, जहां उन्होंने तीन मैचों में 194 रन बनाए हैं, जिसमें एक नाबाद शतक (106 रन) शामिल है।

पांड्या हैं रोल मॉडल हरमनप्रीत कौर काशवी की आदर्श कप्तान

काशवी ने बताया कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर उनकी आदर्श कप्तान हैं। वहीं राष्ट्रीय पुरुष टीम में हार्दिक पाड्या उनके रोल मॉडल हैं। काशवी ने कहा कि हरमन की कप्तानी में खेलना मेरे लिए गर्व की बात होगी। काशवी का चयन ऐसे समय में हुआ है, जब भारतीय महिला टीम सितंबर-अक्तूबर 2025 में अपने घर में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैरी कर रही है।

हरियाणा सरकार ने दिए विकल्प, विनेश फोगट ने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पहलवान से राजनेता बनी विनेश फोगट ने हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में उन्हें ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ की पेशकश करने के बाद नकद पुरस्कार चुना है, जिसमें उन्हें विभिन्न विकल्पों में से चुनने के लिए कहा गया है। 30 वर्षीय फोगट को 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

तीन बार की ओलंपियन ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले साल कांग्रेस के टिकट पर जींद जिले के जुलाना से हरियाणा विधानसभा चुनाव में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था। हाल ही में हरियाणा सरकार ने अपनी खेल नीति के तहत फोगट को तीन विकल्प दिए। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना।

उन्होंने अपने फैसले की जानकारी देने के लिए मंगलवार को राज्य के खेल विभाग को एक पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि हरियाणा मंत्रिमंडल ने राज्य की खेल नीति के तहत फोगट को ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ देने का फैसला किया है। राज्य की खेल नीति तीन तरह के लाभ प्रदान करती है जिसमें 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार, ग्रुप 'ए' के ??तहत एक उत्कृष्ट खिलाड़ी (ओएसपी) की नौकरी और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) का प्लॉट शामिल था। सरकार ने हाल ही में उनसे उस लाभ के बारे में वरीयता मांगी थी जिसका वह लाभ उठाना चाहती थीं।

आईपीएल के लिए छोड़ा पीएसएल, पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर पर लगाया बैन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से अनुबंध समाप्त करने के कारण एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है।

बॉश को जनवरी के ड्राफ्ट में पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेंचाइजी पेशावर जाल्मी ने अपनी टीम में चुना था। इसके बाद आईपीएल की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी लिज़ाद विलियम्स के चोटिल होने के कारण उनकी जगह पर बॉश को अपनी टीम में शामिल कर दिया था। बॉश ने पीएसएल की बजाय आईपीएल में खेलने को प्राथमिकता दी जिसके बाद पीसीबी ने उन पर अनुबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कानूनी नोटिस जारी किया था। इस साल आईपीएल और पीएसएल का आयोजन लगभग एक साथ हो रहा है। पीसीबी में गुरुवार को जारी बयान में कहा, 'इस ऑलराउंडर पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया है और वह अगले साल पाकिस्तान सुपर लीग म ं खेलने के लिए चयन का पात्र नहीं होगा।

बॉश ने कहा, 'मुझे अपने फैसले पर गहरा अफसोस है और मैं पाकिस्तान के लोगों, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों और क्रिकेट समुदाय से माफी मांगता हूं।

स्विमिंग पूल किनारे

मोनालिसा का हॉट अंदाज़, डार्क ब्लू बिकिनी में उड़ाए फैंस के होश

भोजपुरी फिल्मों की सुपरस्टार और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उनकी लेटेस्ट फोटोज़ में मोनालिसा डार्क ब्लू बिकिनी में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। फैंस उनकी अदाओं पर फिदा हैं और कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी की बौछार कर रहे हैं। फोटोज़ में मोनालिसा ने फ्लोरल प्रिंटेड डार्क ब्लू बिकिनी पहन रखी है। साथ में उन्होंने पैरों पर स्टाइलिश स्कार्फ और सिर पर हैट पहनकर अपने लुक में एक्स्ट्रा चार्म जोड़ा है। कैमरे के सामने दिए गए पोज़ उनके आत्मविश्वास और स्टाइल स्टेटमेंट को बखूबी बयां कर रहे हैं। मोनालिसा की ये फोटोज़ आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। एक फैन ने लिखा, वेरी हॉट, तो दूसरे ने कमेंट किया, सुपरब लुक! फोटोज़ में वह कभी स्माइल करती नज़र आ रही हैं, तो कभी साइड पोज़ से कमर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक तस्वीर में वह स्विमिंग पूल के किनारे लेटी नज़र आ रही हैं, जिसमें उनका हुस्न और आत्मविश्वास दोनों झलक रहा है। मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन रही मोनालिसा ने टीवी शो बिग बॉस से घर-घर में पहचान बनाई। इसके बाद नज़र जैसे शो में डायन का किरदार निभाकर उन्होंने एक नई पहचान कायम की। ग्लैमरस लुक्स से फैंस को दीवाना बनाने वाली मोनालिसा का ये बिकिनी लुक फिर साबित करता है कि वे स्टाइल और बोल्डनेस के मामले में किसी से कम नहीं हैं।

जब राजकुमार ने निभाया 324 साल बूढ़े व्यक्ति का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की आगामी फिल्म भूल चूक माफ का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इसके ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेता ने फिल्म निर्माता दिनेश विजन के साथ बनाई अपनी पहली फिल्म को याद किया। साथ ही बताया कि ऐसा जोड़ियां स्वर्ग में बनती हैं। आइए जानते हैं आखिर दिनेश विजन के साथ कौन सी है उनकी पहली फिल्म।

हाल ही में राजकुमार राव की कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ का ट्रेलर लॉन्च किया गया। बहुत जल्द अभिनेता फिल्म में नजर आएंगे। इसी मौके पर राजकुमार राव ने दिनेश विजन और मैडॉक फिल्म्स के साथ अपना पहला अनुभव साझा किया। बातचीत में बताया कि उनके उस रोल के बारे में लोगों ने कहा कि ये तो कोई भी कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने दिनेश के साथ अपने अटूट रिश्ते के बारे में भी बात किया।

किस फिल्म का किया जिक्र?

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने फिल्म निर्माता दिनेश विजन और मैडॉक फिल्म्स के साथ अपने पहले अनुभवों को साझा किया। अभिनेता ने कहा, कुछ जोड़िया स्वर्ग में बनती हैं।

उनमें से दीनू और मैं एक हैं। हमारा रिश्ता तब शुरू हुआ, जब मैंने साल 2017 में राब्ता फिल्म में एक छोटा सा पार्ट किया था, जिसे दीनू ने निर्देशित किया था। इसके आगे उन्होंने कहा कि उस किरदार के बारे में लोगों ने कहा कि यह तो कोई भी कर सकता था, क्योंकि उस भूमिका में उन्हें कोई पहचान नहीं सकता था।

इस रोल ने सबको डरा दिया था

राब्ता फिल्म में राजकुमार राव ने 324 साल के एक बूढ़े इंसान का किरदार निभाया था। उन्हें प्रोस्थेटिक मेकअप के जरिए तैयार किया गया था, जिसमें अभिनेता को कोई पहचान नहीं सकता था। इसी फिल्म के बारे में राजकुमार राव कहते हैं कि दिनेश एकमात्र निर्माता हैं, जिनकी वो सारी छोटी और बड़ी फिल्में जानते हैं और उसे ईमानदारी से पंसद भी करते हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को नहीं मिलते समान अवसर: ईशा मालवीय

टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई है कि कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। साल 2021 में रिलीज हुए टेलीविजन शो उड़ारियां से एक्टिंग की शुरुआत करने वालीं ईशा ने कहा, एक चीज जो मुझे हमेशा हैरान करती है और अब भी करती है, वह यह है कि कितने प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। मैं यह नहीं कह रही कि भाई-भतीजावाद पूरी तरह से गलत है, लेकिन मुझे लगता है कि बाहरी लोगों को कम से कम अपनी काबिलियत साबित करने के लिए एक निष्पक्ष मौका तो मिलना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि इंडस्ट्री को असली प्रतिभा पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें स्टार किड्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने दें और दर्शकों को फैसला करने दें कि कौन वास्तव में चमकने का हकदार है। इंडस्ट्री को किसी की पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना असली प्रतिभा पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और बॉलीवुड का भविष्य योग्यता से तय होना चाहिए। उड़ारियां में जैस्मिन का किरदार निभाने के बाद ईशा ने साल 2023 में विवादित रियलिटी शो बिग बॉस के 17वें संस्करण में हिस्सा लिया था।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात को लेकर नए प्लान पर कांग्रेस में टेंशन, जाति आधारित राजनीति के खिलाफ उठी आवाज

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी पार्टी में नई जान फूंक देना चाहते हैं। वह बीजेपी को 2017 की तरह गुजरात में चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। हालांकि उनके प्लान को लेकर गुजरात कांग्रेस में सभी खुश नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान कई नेता हॉल छोड़कर बाहर निकल गए। उनका कहना था कि इसे अब और बर्दाश्त करना मुश्किल है क्योंकि यह प्लान बहुत ही निराशाजनक है। गुजरात में कांग्रेस के नए प्रस्ताव को लेकर नेताओं में असंतोष देखा गया। इंडिया कन्वेंशन सेंटर में गुजरात को लेकर नया प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव में राज्य में जातिगत जनगणना, अनुसूचित जाति और जनजातियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही गई है। कांग्रेस गुजरात में सामाजिक न्याय को आगे करके चलना चाहती है। वहीं गुजरात कांग्रेस के कई नेता उसे गलती मान रहे हैं। उनका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी ने भी यही गलती थी।

पीरागढ़ी और अंधेरिया मोड़ पर खत्म होगा ट्रैफिक, पीडब्ल्यूडी बनाएगा अंडरपास

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दो सबसे बिजी (व्यस्त) चौराहों- पश्चिमी दिल्ली में पीरागढ़ी चौक और दक्षिणी दिल्ली में अंधेरिया मोड़- पर भीड़भाड़ कम करने के लिए अंडरपास बनाने की योजना बना रहा है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया कि उन्होंने अधिकारियों को अंडरपास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसके लिए जल्द ही एक एजेंसी को काम दिया जाएगा। वर्मा ने कहा, मैंने विभाग से इन दोनों चोक पॉइंट्स पर अंडरपास के लिए डीपीआर तैयार करने को कहा है। मुझे रोजाना ट्रैफिक जाम से जुड़ी कई शिकायतें मिल रही हैं। मैंने विभाग से इन पॉइंट्स पर ट्रैफिक समस्या के संभावित समाधानों की वैकल्पिक योजनाएं शेयर करने को भी कहा है, ताकि बजट को उसी हिसाब से आवंटित किया जा सके। हम धीरे-धीरे पीडब्ल्यूडी सड़कों के आसपास ऐसे सभी जाम पॉइंट्स को खत्म करेंगे। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बजट में सड़कों और फ्लाईओवर के लिए 3,800 करोड़ रुपये से ज्यादा का आवंटन किया है, जिसका उपयोग शहर में सड़क के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए किया जाएगा। वर्मा ने कहा, मैंने विभाग से इन दोनों चोक पॉइंट पर अंडरपास के लिए डीपीआर तैयार करने को कहा है। मैंने विभाग से इन पॉइंट पर ट्रैफिक समस्या के समाधान की वैकल्पिक योजनाएं साझा करने को कहा है, ताकि बजट को उसके अनुसार आवंटित किया जा सके। हम धीरे-धीरे पीडब्ल्यूडी की सड़कों के आसपास ऐसे सभी भीड़भाड़ वाले पॉइंट पर काम करेंगे।

दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत काट दिए 100 पेड़

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत पेड़ काटने का मामला सामने आया है। इसे लेकर गुरुवार को दिल्ली के वन और वन्यजीव विभाग ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) को नोटिस जारी किया है। विभाग को शिकायत मिली है कि द्वारका सेक्टर 5 में एक भूखंड पर पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि का टुकड़ा एनआईआई का है, जबकि सीपीडब्ल्यूडी इस क्षेत्र में काम कर रहा है।

राजधानी में पेड़ों को काटने के लिए किसी भी एजेंसी को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम (डीपीटीए), 1994 के तहत वन विभाग से अनुमति लेनी अनिवार्य होती है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि द्वारका साइट पर अनुमानित 100 पेड़ काटे गए, लेकिन एक भी पेड़ काटने के लिए अनुमति नहीं मांगी या दी गई। वन विभाग में एक स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई है। जिसपर कार्रवाई की गई। शिकयत में कहा गया है कि मिनी-फॉरेस्ट जैसे एक हरे-भरे क्षेत्र को

कुछ ही दिनों में साफ कर दिया गया। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया, हमें बुधवार को शिकायत मिली थी कि कुछ पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है और निरीक्षण के बाद एनआईआई और सीपीडब्ल्यूडी दोनों को प्रतिबंधात्मक नोटिस जारी किए गए। हमारे शुरुआती आकलन के अनुसार, लगभग 100 पेड़ों को काटा गया है, लेकिन चूंकि कुछ पेड़ काफी पतले और छोटे थे, इसलिए हम डीपीटीए के अनुसार पेड़ की परिभाषा से तुलना करने के लिए उनकी लंबाई और परिधि की जांच करेंगे। डीपीटीए एक पेड़ को किसी भी लकड़ी वाले पौधे के रूप में परिभाषित करता है, जिसकी शाखाएं कम से कम 5 सेमी डायमीटर के तने या बॉडी की होती हैं और जमीन से कम से कम एक मीटर ऊंची होती हैं। अधिकारी ने कहा, निरोधक आदेश के अलावा, हमने एजेंसियों से स्पष्टीकरण भी मांगा है। उन्होंने बताया कि मौके से एक अर्थमूवर मशीन जब्त की गई है।

वरिष्ठ नागरिकों की छूट वापस ले रेलवे ने 5 साल में कमाए करोड़ों, आरटीआई के जवाब में आया सामने

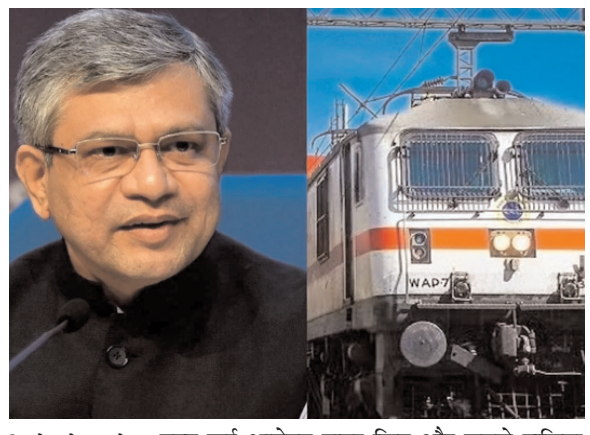

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें वापस लेकर पांच साल में लगभग 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) ने यह जानकारी दी है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर रियायत बहाल करने का सवाल संसद में कई मौकों पर सदस्यों द्वारा उठाया गया, हालांकि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे पहले से ही प्रत्येक यात्री को औसतन 46 प्रतिशत रियायत दे रहा है।

60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 20 मार्च, 2020 से पहले सभी वर्गों के लिए ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी, लेकिन कोविड महामारी की शुरुआत के कारण रेल मंत्रालय ने इसे वापस ले लिया था। आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच 31.35 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर) ने रियायतों के निलंबन के कारण 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करके यात्रा की है। मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने कहा, ''मैंने 20 मार्च, 2020 से लेकर रेल मंत्रालय में आरटीआई अधिनियम के तहत कई आवेदन दायर किए और सबसे हालिया आवेदन मार्च 2025 का था। जब मैंने डेटा का विश्लेषण किया, तो पाया कि लगभग 18.279 करोड़ पुरुषों, 13.065 करोड़ महिलाओं और 43,536 ट्रांसजेंडर यात्रियों, सभी वरिष्ठ नागरिक, ने 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच यात्रा की।''

वरिष्ठ नागरिकों से प्राप्त समग्र राजस्व का ब्योरा देते हुए गौड़ ने कहा कि मंत्रालय के जवाब के अनुसार, पुरुष यात्रियों से लगभग 11,531 करोड़ रुपये, महिला यात्रियों से 8,599 करोड़ रुपये तथा ट्रांसजेंडर यात्रियों से 28.64 लाख रुपये प्राप्त हुए। उन्होंने कहा, ''इन सभी यात्रियों से कुल 20,133 करोड़ रुपये की आय हुई। ट्रेन यात्रा पर पुरुष और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए 40 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत छूट को हटाने के चलते रेलवे को 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई।''

दिल्ली में सीमेंट की बोरी में बंद नाले में पड़ा मिला था महिला का शव, एक नोज पिन से सुलझी गुत्थी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में एक महीने पहले हुई महिला की हत्या की गुत्थी पुलिस से सुलझा ली है। इसमें दिल्ली पुलिस के लिए नाक की पिन अहम साबित हुई जिससे पुलिस मुख्य आरोपी तक पहुंच गई। दिल्ली पुलिस को महिला का शव एक नाले से मिला था और इस मामले में पुलिस ने महिला के पति अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है जो पेशे से बिजनेमैन भी है। दरअसल 15 मार्च को दिल्ली पुलिस को एक नाले में चादर में लिपटा हुआ और पत्थर और सीमेंट की बोरी में बंधा हुआ शव मिला था। पुलिस ने महिला की नोज पिन से उसकी पहचान की और इसी के जरिए इस मामले की गत्थी को सुलझाया।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक इस नोज पिन के जरिए पुलिस दक्षिण दिल्ली में स्थित एक ज्वेलरी स्टोर पहुंची। यहां रिकार्ड खंगालने के बाद पता चला कि अनिल कुमार नाम के शख्स ने ये नोज पिन खरीदी थी। वह एक प्रोपर्टी डीलर है और गुरुग्राम के फार्महाउस में रहता है। वहीं महिला की पहचान 47 साल की सीमा सिंह के रूप में हुई थी। रिकॉर्ड्स में अनिल कुमार का नाम सामने आने के बाज पुलिस ने उनसे मुलाकात की। तब पुलिस को पता चला कि सीमा उसकी पत्नी थी। पुलिस ने जब सीमा से बात करनी चाही तो अनिल कुमार ने कहा कि सीमा बिना फोन के वृंदावन गई हुई है। इससे पुलिस को थोड़ा शक हुआ। इसके बाद पुलिस अनिल कुमार के द्वारका स्थित ऑफिस पहुंची जहां उन्हें डायरी में सीमा की मां का नंबर मिला। उस नंबर पर फोन किया गया तो सीमा की बहन ने बताया कि वह भी सीमा से 11 मार्च के बाद से बात नहीं कर पाए हैं और उन्हें भी काफी चिंता हो रही है। सीमा की बहन ने ये भी बताया जब उन्होंने अनिल कुमार को फोन किया तो उन्होंने बताया कि सीमा अभी जयपुर में है और बात करने के मूड में नहीं है। लेकिन जब भी वह बात करना चाहेगी , वह करवा देगा। सीमा के परिवारवालों ने बताया कि वह पुलिस के पास जाना चाहते थे लेकिन अनिल कुमार की वजह से इंतजार करते रहे। 1 अप्रैल को परिवारवालों को महिला के शव की पहचान करने के लिए बुलाया गया।

दिल्ली में भाजपा सरकार ने हेल्थ पर खींच दी अरविंद केजरीवाल से दोगुनी बड़ी रेखा

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलने जा रही है। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दिल्ली में 1,139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे। अरविंद केजरीवाल की पूर्व सरकार ने दिल्ली में करीब 550 मोहल्ला क्लीनिक खोले थे। इस लिहाज से देखें तो भाजपा सरकार ने एक %बड़ी रेखा% खींच दी है। यह ऐतिहासिक समझौता विज्ञान भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में हुआ। यह समझौता प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत हुआ है। योजना का उद्देश्य देश के हर कोने में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और भविष्य में किसी भी स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए ढांचा खड़ा करना है। बल्कि 11 एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं और 9 क्रिटिकल केयर ब्लॉक भी स्थापित किए जाएंगे।

गुरुग्राम मेयर की कुर्सी पर खतरा! हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस; याचिका में लगाए कई आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी।
गुरुग्राम की मेयर पर चुनाव में फर्जी प्रमाणपत्र प्रयोग करने का आरोप लगा है। मेयर के जाति प्रमाणपत्र संबंधित याचिका पर हाईकोर्ट द्वारा नोटिस जारी किया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने गलत तरीके से पिछड़ा वर्ग-ए की जाति का प्रमाणपत्र बनवा कर चुनाव लड़ा है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस कमरजीत सिंह की बेंच ने गुरुग्राम निवासी यशपाल प्रजापति, बनवारी लाल, भिवानी के पवन कुमार अंचल और रोहतक के शांता कुमार आर्य आदि की तरफ से दायर की गई याचिका पर नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी।

अभी नोटिस नहीं मिला: मेयर राजरानी मल्होत्रा और उनके पति तिलक राज मल्होत्रा ने मामले में कुछ भी बोलने से इनकार किया है। उनका कहना है कि अभी तक कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है और आश्वस्त हैं कि वे सही हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी सीमा पाहुजा का कहना है कि वह खुद भी कोर्ट गई हैं और भाजपा मेयर का जाति प्रमाण पत्र सही नहीं है।

सोहना नगर परिषद की अध्यक्ष पर भी लग चुका है आरोप: बता दें कि इससे पहले जुलाई 2022 में भी सोहना नगर परिषद की भारतीय जनता पार्टी से अध्यक्ष अंजू देवी पर भी फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र का प्रयोग कर चुनाव लड़ने का आरोप लगा थी। इसके बाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद अंजू देवी को पदमुक्त कर दिया गया था। इससे भाजपा की उस समय भी किरकिरी हुई थी।

अब गुरुग्राम की मेयर चुनी गई राजरानी मल्होत्रा पर भी फर्जी प्रमाणपत्र प्रयोग करने का आरोप लगा है। याचिकाकर्ता का दावा है कि राजरानी मल्होत्रा को पिछड़ा वर्ग-ए की जाति का प्रमाणपत्र 16 फरवरी को रविवार के दिन एडीसी द्वारा जारी किया गया। नियमों के अनुसार एडीसी इस तरह के प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अधिकृत नहीं है।

कांगो में शांति की उम्मीद: कतर में सरकार और विद्रोहियों के बीच अहम वार्ता

दोहा , एजेंसी। पूर्वी कांगो में फैले अशांति के बीच कांगो और रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही समूह के प्रतिनिधि कतर की राजधानी दोहा में शांति वार्ता कर रहे है। यह वार्ता पूर्वी कांगो में शांति लाने के लिए की जा रही है, जहां कई सालों से लड़ाई चल रही है और हाल ही में हालात और भी बिगड़ गए हैं। बता दें कि बीते महीने जनवरी में एम23 विद्रोहियों ने कांगो के गोमा शहर पर कब्जा कर लिया था। वहीं एक महीने के बाद फरवरी में बुकावु शहर भी अपने नियंत्रण में ले लिया, जिसके बाद संघर्ष और तेज हो गया। इस लड़ाई में अब तक लगभग 3,000 लोग मारे जा चुके हैं और 70 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

बुधवार को कांगो सरकार और एम23 के प्रतिनिधियों की दोहा में मुलाकात हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह बातचीत गोपनीय रखी गई है और इसमें शामिल कुछ अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर जानकारी दी।एम23 की ओर से बातचीत का नेतृत्व बर्ट्रेंड बिसिमवा कर रहे हैं। वहीं कांगो सरकार की टीम में ज्यादातर लोग राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हैं, जो चाहते हैं कि विद्रोही अपने कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटें। वहीं विद्रोहियों की मांग है कि कांगो सरकार एम23 के सदस्यों के खिलाफ चल रही मौत की सजा और केस खत्म करे।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका, भारतवंशी जज के फैसले से लाखों प्रवासियों की मिली राहत

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को अमेरिकी कोर्ट की एक भारतवंशी जज ने तगड़ा झटका दिया है। संघीय जज ने गुरुवार को संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे हजारों क्यूबाई, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के लोगों की कानूनी संरक्षण देने वाली स्थिति को रद्द करने के फैसले पर रोक लगा दी है। इस फैसले से लाखों प्रवासियों के राहत मिली है। डोनाल्ड ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडेन ने इन प्रवासियों को अमेरिका में दो साल तक रहने की मोहलत दी थी।

बोस्टन में यूएस डिस्ट्रिक्ट जज भारतवंशी इंदिरा तलवानी ने ट्रंप प्रशासन को आड़े हाथों लेते

हुए कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी का फैसला कानून की गलत व्याख्या पर आधारित था। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून के तहत उन लोगों को अमेरिका से निकाला जा सकता है जिन्होंने अवैध रूप से सीमा पार की होज इसमें उन लोगों को हाथ नहीं लगाया जा सकता जिन्हें सरकार ने पहले से ही दो वर्ष की मोहलत दी हो।

बराक ओबामा प्रशासन द्वारा नियुक्त जज तलवानी ने कहा कि अगर प्रशासन इन लोगों पर कार्रवाई करता है। तो वह उन लोगों पर ध्यान नहीं दे रहा जो अवैध रूप से आए हैं.. बल्कि उन लोगों पर निशाना साध रहा है, जिन्होंने नियमों का पालन किया है और जो अभी भी नियमों के अनुसार ही अमेरिका में रह रहे हैं। तलवानी का यह फैसला ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी न्याय व्यवस्था के बीच में एक नई तना-तनी की शुरुआत करता है। ट्रंप इस फैसले के जरिए बाइडेन के उस फैसले को पलटना चाहते थे, जिसमें उन्होंने यूक्रेनी, अफगान, क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के प्रवासियों को देश में प्रवेश की अनुमति दी थी।

शेख हसीना के करीबी 5 सैन्य अधिकारी नजरबंद, इनमें दो ब्रिगेडियर शामिल

ढाका, एजेंसी। ढाका बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में कथित भूमिका को लेकर सेना के 5 अफसरों को नजरबंद किया गया। इनमें ब्रिगेडियर जकारिया हुसैन, ब्रिगेडियर जनरल इमरान, आरएबी से कर्नल अब्दुल्ला अल-मोमेन, बीजीबी के लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद रिदवानुल इस्लाम और ईस्ट बंगाल रेजिमेंट से मेजर मोहम्मद नोमान अल फारुक शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों को सभी को ढाका कैंटोनमेंट में नजरबंद रखा गया है। इन पर छात्र आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी का आदेश देने के आरोप लगाए गए हैं। इन्हें ऐसे वक्त पर नजरबंद किया गया है जब आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमान 6 अप्रैल से पांच दिन के रूस दौरे पर गए हुए हैं। अफसरों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में आरोप लगाए हैं। जनरल हामिद पूर्व पीएम शेख हसीना के एडीसी भी थे। वहीं, भ्रष्टाचार केस में वारंट जारी बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। बांग्लादेश की एक कोर्ट ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल व 17 अन्य लोगों के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इन पर धोखाधड़ी के जरिए आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप लगाया गया है। शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत आ गई थीं। दरअसल, उनके खिलाफ देशभर में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30प्रतिशत कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। लेकिन इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

रूस में देशद्रोह की सजा काट रही अमेरिकी महिला रिहा

अबु धावी, एजेंसी।
रूस ने देशद्रोह के आरोप में 12 साल की सजा काट रही रूसी-अमेरिकी नागरिक कसेनिया कैरिलिना को रिहा कर दिया है। कसेनिया पर यूक्रेन की मदद के लिए 50 डॉलर का चंदा देने का आरोप था। उन्हें पिछले साल रूस में गिरफ्तार कर सजा सुनाई गई थी।

कसेनिया के बदले में अमेरिका ने जर्मन-रूसी नागरिक और कथित तस्कर आर्थर पेत्रोव को छोड़ा है, जो अमेरिका में सैन्य उपकरणों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोपों में बंद था। पेत्रोव पर अमेरिका में बनी माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स को रूस में तस्करी करने का आरोप है। इनका इस्तेमाल रूसी सेना के लिए हथियार बनाने में होता था।

कसेनिया की रिहाई की पुष्टि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की और बताया कि वह अमेरिका के लिए रवाना हो चुकी हैं। यह कैदियों की अदला-बदली गुरुवार को अबू धाबी में हुई। इसकी पुष्टि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी की है।

कसेनिया को पिछले साल फरवरी में रूसी शहर येकातेरिनबर्ग से गिरफ्तार किया गया था। यह मॉस्को से 1600 किमी दूर पूर्व में स्थित है। यहां वह अपनी दादी से मिलने आई थी। शादी से पहले उसका नाम

कसेनिया कैरिलिना था। उस पर पिछले साल ट्रायल चला था, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया। यूक्रेन से जुड़ी एक चैरिटी संस्था रजोम को 50 डॉलर (करीब 4200 रुपए) चंदा दिया था। महिला का नाम कसेनिया खवाना (33) है। उसके पास अमेरिकी नागरिकता है। कोर्ट में कसेनिया पर आरोप लगा कि उसने यूक्रेनी संगठन को पैसे दिए जो यूक्रेनी सेना को हथियार और गोला-बारूद खरीदने में मदद करती है।

कसेनिया के वकील के मुताबिक उन्होंने पैसे ट्रांसफर करने की गलती मानी थी, लेकिन उसे नहीं पता था कि ये संस्था यूक्रेनी सेना को पैसा भेजती है जिसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ होता है। उसे कहा गया था कि इस फंड का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन जंग के पीड़ितों को मदद पहुंचाने में होगा।

कसेनिया पूर्व बैले डांसर है। उसने एक अमेरिकी नागरिक से शादी की और अमेरिका जाने के बाद 2021 में वहां की नागरिकता ले ली। कसेनिया जनवरी 2024 में रूस पहुंची थी। अमेरिका से आने की वजह से पुलिस ने उसका फोन जब्त कर लिया गया था। पुलिस को फोन में फंडिंग का सबूत मिला। वह अमेरिकी वापस लौटने वाली थी, लेकिन इससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर 12 साल की सजा सुनाई गई। रूस और अमेरिका ने पिछले साल अगस्त में भी कैदियों की अदला-बदली की थी। इस डील को तुर्किये की राजधानी अंकारा में कराया गया। इसके तहत अमेरिका, रूस और जर्मनी सहित 7 देशों की जेलों में कैद 26 कैदी रिहा किए गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य की होगी जांच, पहली बार ट्रंप की सेहत की जानकारी आएगी सामने

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वास्थ्य की शुक्रवार को जांच होगी। ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति के सेहत की जानकारी सामने आएगी। वार्षिक स्वास्थ्य जांच से पहले ट्रंप ने कहा कि मैंने पहले कभी इतना बेहतर महसूस नहीं किया, लेकिन फिर भी ये चीजें जरूर की जानी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के सेहत को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वास्थ्य को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। अब उनकी पारंपरिक स्वास्थ्य जांच के बाद आने वाली रिपोर्ट से कुछ जानकारी मिलने की संभावना है। अफसरों ने बताया कि ट्रंप के स्वास्थ्य की जांच वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में होगी।

कुछ समय पहले टेक्सास के प्रतिनिधि रोनी जैक्सन ने मजाक में कहा था कि अगर ट्रंप स्वस्थ आहार लें तो 200 साल तक जीवित रह सकते हैं। पिछले साल अगस्त में ट्रंप ने कहा था कि वह बहुत खुशी से अपने मेडिकल रिकॉर्ड जारी करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया।

2021 में जब ट्रंप का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था तो सामने आया था कि उनका स्वास्थ्य बेहतर था। सारे परीक्षण सामान्य थे। मगर ट्रंप ने अपना वजन कम कर लिया था। 2020 में कोरोना वायरस से पीड़ित होने के बाद ट्रंप का वाल्टर रीड में इलाज किया गया था। तब ट्रंप के चिकित्सक ने उनकी स्थिति बेहतर बताई थी। उनके ठीक होने के बाद पता लगा कि ट्रंप जितना बता रहे थे, उससे कहीं ज्यादा बीमार थे। अब एक बार फिर उनके स्वास्थ्य जांच होने के बाद उनकी सेहत को लेकर कई बड़े दावे किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि उनकी जांच रिपोर्ट में सेहत को लेकर बड़े खुलासे हो सकते हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।